mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-171 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 जून 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

रिंकू सिंह की तरह...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में चर्च के अंदर बड़ा हमला! प्रार्थना के बीच की गोलियों की बौछार, फिर खुद को बम से उड़ाया

दमिश्क (एजेंसी)। सीरिया में रविवार को एक आत्मघाती हमले का मामला सामने आया है। यहां एक सुसाइड बॉम्बर ने लोगों से भरे एक चर्च के अंदर खुद को उड़ा लिया। दमिश्क के बाहरी इलाके में दवेइला में विस्फोट उस समय हुआ, जब लोग मार एलियास चर्च के अंदर प्रार्थना कर रहे थे। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानीकर्ता सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स का कहना है कि हमले में करीब 30 लोग घायल हुए हैं, जबकि कई अन्य लोग मारे भी गए हैं। हालांकि अभी भी घायलों और मृतकों की संख्या स्पष्ट नहीं है। कुछ स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हताहतों में बच्चे भी शामिल हैं। सीरिया

के सूचना मंत्री हमजा मुस्तफा ने हमले की निंदा की और इसे आतंकवादी हमला बताया। उन्होंने कहा, ÷यह कायरतापूर्ण कृत्य उन नागरिक मूल्यों के खिलाफ है जो हमें एक साथ लाते हैं।÷ फिलहाल अभी तक किसी भी समूह ने तत्काल रूप से इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सीरियाई आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि इस्लामिक स्टेट समूह का एक चरमपंथी चर्च में घुसा, वहां मौजूद लोगों पर गोलीबारी की और फिर विस्फोटक जैकेट पहनकर खुद को उड़ा लिया, जो कुछ प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से मेल खाता है। बताया जा रहा है कि यह हमला सीरिया में सालों बाद अपनी तरह का पहला हमला था। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दमिश्क अपने वास्तविक इस्लामी शासन के तहत अल्पसंख्यकों का समर्थन जीतने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रपति अहमद अल-शरा देश भर में अधिकार जताने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ईरान के 3 परमाणु स्थलों पर हमले के बाद अमेरिका का बड़ा बयान

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में अमेरिका की एंट्री हो चुकी है। अमेरिका ने ईरान के तीन बड़े परमाणु ठिकानों फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे एक सफल हमला बताया है। इस हमले के बाद ये कयास लगाए जा रहे थे कि ये लड़ाई अमेरिका बनाम ईरान की हो सकती है लेकिन इस बीच अमेरिका की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। संयुक्त राज्य

अमेरिका के रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन की तरफ से कहा गया, %अमेरिका, ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद उसके साथ युद्ध नहीं करना चाहता।% अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने रविवार को कहा, %अमेरिका ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर रात में अचानक हुए हमले के बाद उसके साथ युद्ध नहीं चाहता है।% हेगसेथ और वायु सेना के जनरल डैन केन, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष ने पेंटागन समाचार सम्मेलन में कहा कि हमें ईरान के किसी प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा। हेगसेथ ने कहा, ÷यह मिशन शासन परिवर्तन के बारे में नहीं था और न ही रहा है। केन ने कहा कि ऑपरेशन का लक्ष्य फोर्दो, नतांज और इस्फहान में परमाणु स्थलों को नष्ट करना था, जिसे हासिल कर लिया गया है। केन ने कहा, ÷अंतिम युद्ध क्षति के आंकलन में कुछ समय लगेगा, लेकिन प्रारंभिक युद्ध क्षति आंकलन से संकेत मिलता है कि सभी तीन स्थलों को अत्यधिक गंभीर क्षति और विनाश हुआ है। उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ युद्ध में नहीं है, बल्कि हम ईरान के परमाणु कार्यक्रम के साथ युद्ध में है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को कहा कि ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों ने उसके परमाणु कार्यक्रम में काफी देरी की है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका, ईरान के साथ युद्ध में नहीं है।

वाहन चोरी के आरोप में डिटेन युवक ने थाने में लगाई फांसी

जयपुर (निप्र)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सदर थाने में शनिवार शाम एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली, जिसकी पहचान मनीष पांडे (28) के रूप में हुई है। मनीष को वाहन चोरी करते हुए पकड़ गया था। इस मामले में छह पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी रविवार को दी। पुलिस के अनुसार, मनीष पांडे को वाहन चोरी के प्रयास के आरोप में हिरासत में लिया गया था। बताया जा रहा है कि वह नशे की हालत में था और थाने के एक कमरे के पास बैठा था। जब पुलिसकर्मी अपने काम में व्यस्त थे, तो मनीष एक कमरे में गया और कथित तौर पर फंदा लगा लिया। मनीष को तत्काल एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए शवगृह के बाहर धरना प्रदर्शन किया। परिस्थितियों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सदर थानाधिकारी सहित पांच अन्य पुलिसकर्मियों को सदर थाने से हटाकर लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस ने बताया है कि इस पूरे मामले की न्यायिक जांच कराई जाएगी, ताकि घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्ष और गहन जांच हो सके। एक अन्य खबर में, जोधपुर पुलिस ने कई गंभीर अपराधों में वांछित और एक लाख रुपये के इनामी मादक पदार्थ तस्कर चीमाराम जाट को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कुख्यात तस्कर छह साल से फरार था। पुलिस महानिरीक्षक (जोधपुर रेंज) विकास कुमार ने बताया कि गिरफ्तारी 'ऑपरेशन झंकार' के तहत पुलिस की विशेष 'साइक्लोनर' टीम द्वारा की गई। बाड़मेर जिले के लीलसर गांव का निवासी चीमाराम पश्चिमी राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी का सरगना और इलाके में मादक पदार्थों के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है।

हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे

पहलगाम हमला- आतंकियों को पनाह देने वाले 2 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे।

एएनआई के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थीं।

22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी और 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-

चुनकर निशाना बनाया था। घटना पहलगाम शहर से 6 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में हुई थी।हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है। इन पर 20-20 लाख रुपए का इनाम भी रखा गया है।

फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि एएनआई ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्होंने इन्हीं तीन आतंकियों के नाम उजागर किए हैं या किन्हीं और आतंकियों के।

नेवी अफसर पति से मिलकर लौट रही महिला से छेड़छाड़

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एक 28 वर्षीय महिला पायलट के साथ कैब में यात्रा के दौरान छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। पीड़िता गुरुवार देर रात दक्षिण मुंबई से अपने घर घाटकोपर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में कैब ड्राइवर ने गाड़ी का रूट बदला और दो अनजान लोगों को अंदर बैठा लिया। इसके

बाद दोनों युवकों ने महिला के साथ छेड़छाड़ की। मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन लोगों पर यौन उत्पीड़न और धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया है। महिला पायलट गुरुवार रात करीब 11 बजे फोर्ट छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कैब में बैठीं। वह अपने नेवी अफसर पति से मिलने के बाद अकेली घर लौट रही थीं। यात्रा शुरू होने के कुछ समय बाद कैब ड्राइवर ने रास्ता बदला और दो अनजान युवकों को कैब में बैठा लिया। एक युवक पीछे महिला के बगल में बैठ गया और उसने महिला का हाथ मरोड़ और उसकी जांघ को छुआ। जब महिला ने विरोध किया और चिल्लाई, तो दूसरे युवक ने उसे धमकाया। थोड़ी देर में कैब एक पुलिस नाके के पास से गुजरी, जिसे देखकर दोनों युवक कैब से उतरकर भाग निकले।

एयर इंडिया का बड़ा फैसला, उड़ानों की संख्या घटाई, बताई बढ़ी वजह

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अस्थायी रूप से 15 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया ने रविवार को कहा कि वह 19 मार्गों पर संकरे आकार के विमानों से संचालित 118 साप्ताहिक उड़ानों को अस्थायी रूप से कम करेगी और तीन मार्गों पर सेवाएं निलंबित करेगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली इस एयरलाइन ने कुछ दिनों पहले कहा था कि वह चौड़े आकार के विमानों से संचालित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में अस्थायी रूप से 15 प्रतिशत की कटौती करेगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि वह अपने कुल संकरे आकार के बेड़े में पांच प्रतिशत से कम की अस्थायी कटौती करने जा रही है।

बयान के मुताबिक, इस स्वैच्छिक निर्णय से एयर इंडिया की सेवाओं का तीन मार्गों पर अस्थायी निलंबन होगा और 19 मार्गों पर फेरों में कमी आएगी। ये परिवर्तन कम से कम 15 जुलाई 2025 तक प्रभावी रहेंगे। तीन मार्गों - बेंगलुरु-सिंगापुर, पुणे-सिंगापुर और मुंबई-बागडोगरा (एआई551/552) पर सप्ताह में सात बार उड़ानें कम से कम 15 जुलाई तक स्थगित रहेंगी। दिल्ली-बेंगलुरु और दिल्ली-मुंबई सहित कई अन्य मार्गों पर उड़ानों की संख्या में कमी की जाएगी। एयरलाइन के अनुसार इस कटौती का मकसद एयर इंडिया के नेटवर्क परिचालन की स्थिरता को मजबूत करना और यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करना है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ÷खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, एयर इंडिया समूह पुष्टि करता है कि हमारी उड़ानें वर्तमान में ईरान, इराक और इजरायल के हवाई क्षेत्रों से होकर नहीं गुजरती हैं। एक सक्रिय उपाय के रूप में, हम आने वाले दिनों में फारस की खाड़ी के ऊपर कुछ हवाई क्षेत्रों के उपयोग से बचेंगे, इसके बजाय यूएई, कतर, ओमान और कुवैत सहित गंतव्यों के लिए उड़ानों के लिए वैकल्पिक मार्गों का चयन करेंगे। इस समायोजन से इन सेवाओं के लिए उड़ान अवधि में वृद्धि हो सकती है।

दिल्ली में उमसभरी गर्मी से परेशान

कुछ इलाकों में शनिवार दोपहर को हल्की बारिश हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में पिछले कुछ दिनों से उमसभरी गर्मी हो रही है। इससे हर कोई परेशान है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर में बारिश कब होगी? इसको लेकर हर कोई आस लगाए बैठा है। बारिश के बाद ही लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकेगी। दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने हल्की बारिश के साथ तेज सतही हवाएं चलने का अनुमान व्यक्त किया है। सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। इस दौरान बारिश का अनुमान नहीं जताया गया है। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ इलाकों में शनिवार दोपहर को हल्की बारिश हुई थी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सफदरजंग में 2.6 मिमी, पालम में 0.4 मिमी, आयानगर में 0.4 मिमी और लोधी रोड में 0.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार पालम में दोपहर ढाई बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच 1.4 मिमी बारिश दर्ज की गई, सफदरजंग में 0.8 मिमी जबकि आयानगर, लोधी रोड और रिज

में हल्की वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार को तेज हवाएं चलने और हल्की बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया है। सोमवार को फिर से उमसभरी गर्मी रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 59 रहा जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

इतिहास को नई नजर से समझने का मौका

प्रेम प्रकाश की नई किताब "History that India Ignored" को किया गया लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ पत्रकार और ANI के संस्थापक प्रेम प्रकाश ने अपनी नई किताब "History that India Ignored" को लॉन्च किया है। इस किताब में भारत की आजादी से जुड़ी उन बातों को उठाया गया है, जिन्हें इतिहास में कम बताया गया। किताब में भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, वीर सावरकर और आजाद हिंद फौज जैसे क्रांतिकारियों के संघर्षों को विस्तार से बताया गया है। लेखक का मानना है कि इन सेनानियों को अक्सर इतिहास में नजरअंदाज किया गया या गलत तरीके से दिखाया गया। किताब के मुताबिक, आजादी सिर्फ अहिंसक आंदोलन से नहीं, बल्कि सशस्त्र विद्रोहों और क्रांतिकारियों की कुर्बानियों से भी मिली थी। प्रेम प्रकाश जी का कहना है कि यह किताब इतिहास को एक नई नजर से समझने का मौका देती है। इस बुक लॉन्च के अवसर पर ऑथर संजीव चोपड़ा,

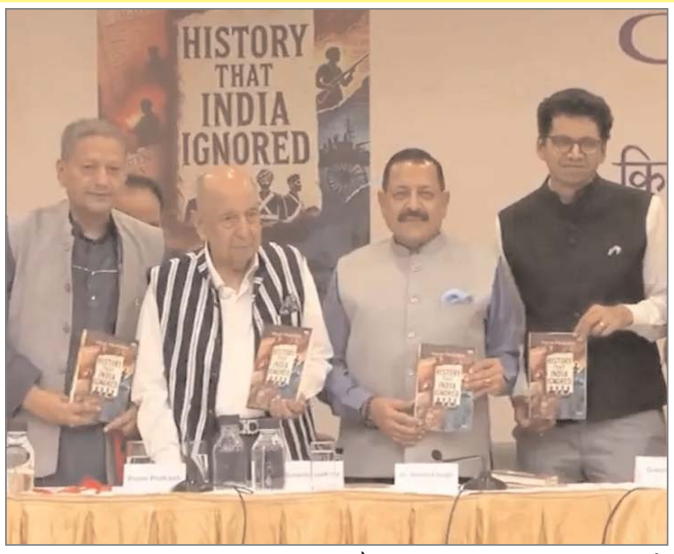

ऑथर रशीद किदवई के साथ-साथ मिनिस्टर ऑफ स्टेट डॉक्टर जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। आजादी के बारे में जानने वालों के लिए है किताब

मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने किताब के बारे में कहा, ÷आज से एक हफ्ते पहले मुझे आमंत्रित किया गया, हमारे लिए ये इंस्पिरेशन है। मैंने ऐसी कई किताबें पढ़ी हैं। इंडिया की आजादी के बारे में प्रेम प्रकाश जी ने जो देखा है उसको जीया है और किताब लिखी है। ये किताब उनके लिए जरूरी है जो भारत की आजादी के बारे में पढ़ना चाहते हैं। इस किताब के पेज नंबर 19 पर लिखा है कि कांग्रेस पार्टी चाहे कितना भी क्लेम करे कि आजादी की मशाल उन्होंने दिखाई है, लेकिन 1930 के बाद ही आजादी की असली लड़ाई हुई है। 1930 में भगत सिंह जी ने लड़ाई लड़ना शुरू किया था और 1931 में उनको शहीद किया गया। तब कांग्रेस से उन्हें कोई सपोर्ट नहीं मिला।÷ प्रेम प्रकाश जी ये कहना चाहते हैं कि सुभाष चंद्र बोस और बढ़ती आम लोगों की आवाज आजादी की बड़ी वजह बनी।

बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, बांग्लादेशी महिलाओं से करवाया जा रहा था देह व्यापार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुंबई की मालवणी पुलिस ने हाल ही में एक सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया था और मौके से तीन बांग्लादेशी महिला नागरिक को रेस्क्यू किया था। अब जांच में सामने आया है कि मेडिकल सेक्टर में नौकरी का लालच देकर उन्हें बांग्लादेश से मुंबई लाया गया और फिर जबरन देह व्यापार में धकेल दिया गया। पुलिस ने इस मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, मालवणी पुलिस ने कुछ दिनों पहले एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया था, जहां से तीन बांग्लादेशी महिलाओं को बचाया गया था। इन महिलाओं से पूछताछ में पता चला कि उन्हें मेडिकल सेक्टर में नौकरी का लालच देकर देह व्यापार में धकेला गया है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक बड़ी जांच शुरू की, जिससे एक बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश हुआ। पुलिस के अनुसार, बचाई गई महिलाएं बांग्लादेश के गरीब परिवारों से ताल्लुक रखती हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए काम की तलाश में थीं। आरोपियों ने इसी मजबूरी का फायदा उठाया और उन्हें मुंबई के अस्पतालों में नौकरी दिलाने का झूठा वादा किया।

ईरान से 311 लोगों को लेकर दिल्ली पहुंचा विमान, अब तक 1428 लोगों को किया गया रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में फंसे 300 से अधिक भारतीय नागरिकों को रविवार को ईरान से भारत लाया गया है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक ईरानी शहर मशहद से विशेष उड़ान से 311 भारतीय दिल्ली पहुंचे हैं। इसमें यह भी कहा गया कि इस नये जत्थे के साथ, ईरान से वापस लाये गये लोगों की कुल संख्या अब 1,428 हो गई है। निकाले गए लोगों में कश्मीर के 200 से ज्यादा छात्र शामिल थे, जो ईरान में पढ़ रहे थे और इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के बीच फंस गए थे। उनके वापस आने से उन चिंतित रिश्तेदारों को राहत मिली, जो अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता से भरी रातों की नींद हराम कर रहे थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 311 भारतीय नागरिक 22 जून को दोपहर साढ़े चार बजे मशहद से विशेष उड़ान से नई दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब तक कुल 1,428 भारतीय नागरिकों को ईरान से निकाला जा चुका है। भारत ने ईरान और इजरायल के बीच बढ़ती दुश्मनी के बीच ईरान और इजरायल से भारतीयों को वापस लाने के लिए पिछले सप्ताह 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू किया था।

जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने भारत सरकार को धन्यवाद दिया: जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने समय पर और कुशल हस्तक्षेप के लिए भारत सरकार, विदेश मंत्रालय और ईरान में भारतीय दूतावास का हार्दिक आभार व्यक्त किया। संघ ने एक बयान में कहा, ÷युद्ध क्षेत्र ईरान में संकट के दिनों को झेलने वाले ये छात्र आखिरकार अपनी मातृभूमि की सुरक्षा और अपने इंतजार कर रहे परिवारों के गर्मजोशी

भरे आलिंगन में लौट आए हैं।÷ संघ ने भारतीय और ईरानी अधिकारियों के बीच त्वरित समन्वय की भी प्रशंसा की, जिसने ÷बहुत गंभीर स्थिति÷ के दौरान निकासी सुनिश्चित की।

ईरान-इजरायल तनाव के बीच कूदा अमेरिका: बता दें कि दोनों देशों के बीच तनाव को एक सप्ताह से अधिक समय हो गया। इजरायल और ईरान एक-दूसरे के शहरों तथा सैन्य तथा सामरिक प्रतिष्ठानों पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दाग रहे हैं। इस बीच रविवार सुबह को अमेरिका भी इस युद्ध में कूद पड़ा। अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर बमबारी की, जिसके बाद तनाव काफी बढ़ गया है।

ग्वालियर के ऐतिहासिक दुर्ग की गोद में मना 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भोपाल (एजेंसी)। ग्वालियर जिले में 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन ग्वालियर के ऐतिहासिक दुर्ग पर स्थित राजा मानसिंह महल के समीप उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।मंत्री श्री कुशवाह ने कार्यक्रम में योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया। योग कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं, अधिकारियों, शिक्षकों तथा स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। जिले भर में योग दिवस को व्यापक स्तर पर मनाया गया। सभी नगरीय निकायों, पंचायत मुख्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में भी जनसामान्य ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में योग सत्र

भोपाल (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून शनिवार को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने भोपाल के शिवाजी नगर स्थित पालिका भवन कार्यालय परिसर में योग सत्र का आयोजन किया गया। सामूहिक योग सत्र में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास कर तन, मन और आत्मा की शुद्धि के साथ योग से एकता के संदेश को आत्मसात किया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा कि सामूहिक योग के आयोजन का उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, जो व्यक्ति के समग्र विकास में सहायक होता है।योग सत्र के दौरान अपर आयुक्त श्री कैलाश वानखेड़े, श्री के.एल. मीणा, डॉ परीक्षित झाड़े, प्रमुख अभियंता श्री आनंद सिंह, अपर संचालक श्री अनिल गोंड, अधीक्षण अभियंता श्री जीवन सिंह एवं श्री रवि चतुर्वेदी सहित विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग को अपने जीवन में शामिल करने का संकल्प लिया और सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

पूर्व मुख्य सचिव और सहयोगी की लोकायुक्त में जांच शुरू

भोपाल (एजेंसी)। लोकायुक्त भोपाल ने कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक पारस सकलेचा की शिकायत के बाद पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस तथा आजीविका मिशन के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ जांच शुरू की है। पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने 28 अगस्त 2023 को लोकायुक्त में शिकायत दर्ज की थी कि बैंस तथा बेलवाल ने पोषण आहार तथा अन्य योजनाओं में वर्ष 2018-19 से 2021-22 के 4 वर्षों में मात्र 8 जिलों में 500 करोड़ का भ्रष्टाचार किया, जिसका उल्लेख ऑडिटर जनरल ने मार्च 2025 में विधानसभा में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में भी किया। सकलेचा का आरोप है कि इकबाल सिंह बैंस ने पंचायत विभाग के अपने कार्यकाल में 2017 में अपने चहेते बेलवाल को वन विभाग से प्रतिनियुक्ति पर लाकर आजीविका मिशन का सीईओ बना दिया था। दोनों ने षड्यंत्रपूर्वक पोषण आहार बनाने वाली सातों फैक्ट्री का कार्य एग्रो इंडस्ट्री कॉरपोरेशन से लेकर आजीविका मिशन को दे दिया। दिसंबर 2018 में कमलनाथ सरकार बनने पर आजीविका मिशन में घोटाले को देखते हुए सातों फैक्ट्री का कार्य पुन: एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन को दे दिया गया । 23 मार्च 2020 को पुन: शिवराज सरकार के आने पर दूसरे दिन ही इकबाल सिंह बैंस को मुख्य सचिव बना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में पाठ्यक्रम एवं पुस्तक लेखन, निरंतर चलने वाली प्रक्रिया : उच्च शिक्षा मंत्री परमार

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने वाला देश भर में अग्रणी राज्य है। प्रदेश में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में हो रहा द्रुत गति से क्रियान्वयन, देश भर में चर्चा का विषय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा को लेकर हो रहे तेज गति से क्रियान्वयन से, मप्र उदाहरण के रूप में स्थापित हो रहा है। देश के अन्य राज्यों के लिए, हमारी कार्यशैली अभिप्रेरक बनें, इस आशय के साथ हमें सावधानीपूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में, तीव्र गति के साथ क्रियान्वयन करते हुए आगामी लक्ष्यों के निर्धारण में, मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी का योगदान अनुकरणीय है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शनिवार को भोपाल स्थित होटल पलाश में, मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के 55वें स्थापना दिवस समारोह में सहभागिता कर कही। श्री परमार ने अकादमी परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी प्रेषित की। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में पाठ्यक्रम एवं पुस्तक लेखन की प्रक्रिया, निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इस लक्ष्य की ओर बढ़ने में, मप्र

हिन्दी ग्रन्थ अकादमी लगातार क्रियाशील है। विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं मितव्ययी पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए, बाजार में भी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की पुस्तकें उपलब्ध कराने की आवश्यकता है; इससे शिक्षा के व्यापारीकरण पर लगाम लग सकेगी। श्री परमार ने अकादमी के लेखकों को लेखन में सावधानी बरतते हुए, व्यापक लक्ष्य की प्राप्ति की ओर बढ़ने की बात कही।

मंत्री श्री परमार ने मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के ब्रॉशर - विकास गाथा एवं संस्थान की द्विमासिक पत्रिका रचना के नवीन अंक का विमोचन किया। उन्होंने अकादमी के संयुक्त संचालक डॉ उत्तम सिंह चौहान द्वारा रचित पुस्तक समाज विज्ञान का दार्शनिक आधार (आधुनिक एवं भारतीय परंपरागत परिप्रेक्ष्य) एवं लेखिका श्रीमती वंदना त्रिपाठी के काव्य संग्रह दिल से निकले कविता हो गए का भी विमोचन किया।

अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने में, हमारा प्रदेश अग्रणी राज्य है। श्री कड़ेल ने हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की यात्रा और उच्च शिक्षा में योगदान पर सारगर्भित प्रकाश डाला। श्री कड़ेल ने अकादमी के अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं भी दी।

समारोह में मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के चेयरमैन डॉ भरत शरण सिंह, अटल बिहारी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु प्रो खेमसिंह डहेरिया एवं अकादमी के पूर्व संचालक श्री देवेंद्र दीपक सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के निदेशक, प्राध्यापक, लेखक, शिक्षाविद् एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित अकादमी के अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अकादमी के सहायक संचालक श्री राम विश्वास कुशवाह ने किया एवं संयुक्त संचालक डॉ उत्तम सिंह चौहान ने आभार व्यक्त किया।

पुराने जल स्रोतों को संवारना और पौधे लगाना जरूरी तभी आगामी पीढ़ी के लिए होगा पर्याप्त जल -मंत्री पटेल

भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल शनिवार को विदिशा जिले की लटेरी तहसील के गोपीतलई में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने सिंध एवं सगड़ नदी के उद्गम स्थल पर पूजन अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ किया। मंत्री श्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने ने जल स्रोतों को संवारने व उनके जीर्णोद्धार और पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से इस वर्ष जल गंगा संवर्धन अभियान की क्रियान्वयन अवधि 3 माह तक संचालित की है जो जल संरक्षण की दिशा में

प्रशंसनीय है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस वर्ष मैने प्रदेश के कुल 79 उद्गम स्थलों का निरीक्षण किया है। जल स्रोतों को संवारने व पानी की उपलब्धता आगामी पीढ़ी को सुनिश्चित हो उसके लिए आज हमें जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पुराने जल स्रोतों को संवारने, पुनर्जीवन और नए निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे आगामी पीढ़ी को पर्याप्त मात्रा में जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने कहा कि जल स्रोतों की चिंता करनी होगी साथ-साथ उन्हें जिंदा रखना हमारी जिम्मेदारी होगी।

योग तन और मन के लिए संजीवनी है, योग अवश्य करें : मंत्री राजपूत

भोपाल (एजेंसी)। योग शरीर और मन के लिए संजीवनी है, योग अवश्य करें। व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तो परिवार, समाज और देश स्वस्थ रहेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के साथ ही विदेश में भी योग का परचम लहराया है। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पीटीसी ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में कही। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि 25 से 30 मिनट योग कर ले तो शरीर प्रफुल्लित हो जाता है। दिन रात की भाग दौड़ के बीच हमें 30 मिनट योग अवश्य करना चाहिए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि योग के लिए कोई संसाधन की आवश्यकता नहीं

होती एक चादर पर योग किया जा सकता है ।

सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग अति आवश्यक है। योग करें स्वस्थ रहें, योग से न केवल मन शरीर स्वस्थ होता है बल्कि मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में योग के प्रति जो कार्य किया है इसे पूरा विश्व योग के प्रति जागरूक हुआ है।

विधायक श्री शैलेंद्र जैन ने कहा कि सागर को गौर नगरी के साथ योग नगरी बनाने के लिए हमें आज संकल्प लेना होगा। जब हम सभी योग करेंगे तो हमारा सागर स्वस्थ सागर बनेगा। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं और नागरिक मौजूद थे।

योगाभ्यास को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं -ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल (एजेंसी)। 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम योग संगम मानस भवन, शिवपुरी में किया गया। यह आयोजन एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर सम्पन्न हुआ। ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भी योग किया। उन्होंने दैनिक योग अभ्यास को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। श्री तोमर ने कहा कि हमें नियमित रूप से योग का अभ्यास करना चाहिए। हमें अपने लिए और अपनों के लिए योग करना चाहिए। जब हम स्वस्थ्य रहेंगे तो आने वाली पीढ़ियां भी स्वस्थ्य रहेंगी, उन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचाने का योग एक अच्छा माध्यम है।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रव्यापी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेश स्तरीय योग कार्यक्रमों का प्रसारण एलईडी स्क्रीन

के माध्यम से किया गया। सामूहिक योग अभ्यास में ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, शशांकासन, भुजंगासन, शवासन सहित विभिन्न योगासन और प्राणायाम, कृकपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी आदि का अभ्यास कराया गया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक, जनप्रतिनिधि और नागरिकों ने भी योग किया ।

समूचा विश्व योग को दे रहा है महत्व - मंत्री पटेल

भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल शनिवार को 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास योग संगम कार्यक्रम में नरसिंहपुर जिले के नर्मदा नदी बरमान तट पर स्थित दीपेश्वर मंदिर प्रांगण शामिल हुए। यह कार्यक्रम आयुष विभाग और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। उल्लेखनीय हैं कि इस वर्ष योग दिवस एक पृथ्वी- एक स्वास्थ्य के लिये योग की थीम पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल ने नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज समूचा विश्व योग के महत्व को समझ रहा है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों का ही परिणाम है कि विश्व योग को आत्मसात कर रहा है। अब यह केवल शासकीय कार्यक्रम तक सीमित नहीं है। उन्होंने नागरिकों से योग को दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया।

लोक निर्माण विभाग द्वारा 1 जुलाई को, एक लाख पौधों का किया जाएगा रोपण

भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा औचक निरीक्षण की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस योजना के अंतर्गत हर माह दो दिन रेंडमली चयनित कार्यों का औचक निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण किया जाएगा।

इसी क्रम में मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा बैतूल, बालाघाट, श्योपुर, बुरहानपुर, अनूपपुर, मंदसौर एवं दमोह जिलों में 35 कार्यों का निरीक्षण किया गया। इनमें 14 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 11 कार्य

पी.आई.यू. (भवन), 06 कार्य म.प्र. सड़क विकास निगम, 03 कार्य म.प्र. भवन विकास निगम एवं 01 कार्य एन.एच. का सम्मिलित रहा।

मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में प्रमुख अभियंता (बी एण्ड आर) श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) श्री एस.आर. बघेल, प्रमुख अभियंता (भवन विकास निगम) श्री अनिल श्रीवास्तव, तकनीकी सलाहकार श्री आर.के. मेहरा, उपसचिव श्री ए.आर. सिंह सहित समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा में बालाघाट जिले के कुटुंब न्यायालय भवन कार्य को बहुत अच्छा पाया गया, जिसके लिए कार्यपालन यंत्री श्री उदल सिंह उईके, अनुविभागीय अधिकारी श्री आनंद राव बनसोर एवं उपयंत्री श्रीमती ममता धुर्वे की सराहना की गई। श्योपुर जिले में करहल-सरई-बरगवां मार्ग के कार्य को उत्कृष्ट पाए जाने पर कार्यपालन यंत्री श्री विष्णु अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री अंजली प्रजापति एवं उपयंत्री श्री एम.सी. दंडोतिया की प्रशंसा की गई।

शासकीय कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 'योग संगम - 2025' का भव्य आयोजन

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के शासकीय कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में समस्त चिकित्सालय कर्मियों द्वारा योग संगम 2025 अंतर्गत माननीय श्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित योग समागम का लाइव प्रसारण देखा। तत्पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत जुम्बा डांस से हुई, जिसके बाद योग, ध्यान और विभिन्न व्यायाम सत्रों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को भोपाल के सर्वश्रेष्ठ फिटनेस सेंटर

फिटब्लिस भोपाल की संचालक डॉ. श्रुति कपूर एवं उनके साथ आये योगाचार्य एवं जुम्बा ट्रेनर्स द्वारा संचालित किया गया। इस अवसर पर अस्पताल की नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि योग हमारे शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने का एक प्राचीन और प्रभावशाली माध्यम है। यह न केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव को भी दूर करता है। योग दिवस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ. रचना दुबे, अधीक्षक डॉ. बलराम उपाध्याय, विशेषज्ञों, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ, कार्यालय स्टाफ, सुरक्षाकर्मी, सफाईकर्मी सहित लगभग 300 से अधिक लोगों ने सबेरे की ताज़गी में ऊर्जा और उत्साह के साथ भागीदारी निभाई।

स्वास्थ्य और सौहार्द्र से भरपूर इस मिलन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अनोखे संगम ने तन, मन और समाज को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। इसी के साथ चिकित्सालय के स्टाफ द्वारा योग फॉर वन हेल्थ वन अर्थ विषय पर आधारित पोस्टर्स निर्मित किये गए।

मास्टर ट्रेनर्स गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें-मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह

भोपाल (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में शनिवार को राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय और विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर टेनर्स को निर्वाचक नामावली सहित आयोग की विभिन्न गतिविधियों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण सुबह 10 से शाम 6 बजे तक चला। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री सुखवीर सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि सभी मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण को गंभीरता और जिम्मेदारी लें। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रदेश के सभी बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सुचिता के लिए मतदाता सूची एक बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बीएलओ भारत निर्वाचन आयोग का सबसे निचले स्तर पर एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स को विधिक प्रावधान एवं निर्वाचक नामावली प्रक्रिया, रोल प्ले, केस स्टडीज, बीएलओ ऐप एवं फॉर्म भरने के अभ्यास का आंकलन तथा शंकाओं का समाधान किया गया। आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मास्टर ट्रेनर्स का मूल्यांकन किया गया। इसके लिए आईआईआईडीईएम से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 10 जिलों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री रामप्रताप सिंह जादौन, उप मुख्य निवार्चन पदाधिकारी श्रीमती सुरभि तिवारी, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश यादव, राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर श्री प्रवास जैन, श्री वाईपी सिंह उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों से दिया गया योग का संदेश

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पर्यटन विभाग ने प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सामूहिक योग कर योग का संदेश दिया। इन सभी स्थलों पर योग संगम का आयोजन किया गया। योग के वैश्विक महत्व को बढ़ावा देने और नागरिकों को स्वस्थ जीवन-शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित योग संगम में बड़ी संख्या में जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियोंङ्कर्मचारियों, स्कूली विद्यार्थियों और नागरिकों ने हिस्सा लेकर योग साधना की।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित इस वर्ष की थीम %एक पृथ्वी एवं एक स्वास्थ्य के लिये योग% है, जो योग के समग्र लाभों और वैश्विक कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा प्रयास है कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल योग के महत्व को उजागर किया जाए, बल्कि मध्यप्रदेश को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में भी बढ़ावा दिया जाए।

सीधी में 2 करोड़ से नवनिर्मित सब्जी मंडी बनी दलदल

बिना पक्के फर्श और जल निकासी के बनी मंडी, व्यापारी-ग्राहक परेशान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्थित नवीन सब्जी मंडी में बारिश के कारण कीचड़ भर गया है। 2 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनी इस मंडी में न तो पक्का फर्श है और न ही जल निकासी की व्यवस्था है। व्यापारी शिवभूषण वर्मा के अनुसार कीचड़ की वजह से ग्राहक सब्जी खरीदने नहीं आ रहे हैं। इससे उनकी सब्जियां और फल सड़ रहे हैं। कई ग्राहक कीचड़ की स्थिति देखकर बिना खरीदारी किए ही वापस लौट जाते हैं। शनिवार की देर रात से जिले में लगातार हो रही बारिश ने स्थिति और खराब कर दी है। व्यापारी अपनी लागत से कम दाम में सब्जियां बेचने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंडी का निर्माण कार्य अभी अधूरा है। आदिवासी नेता विवेक कोल ने इस मुद्दे पर भाजपा सरकार और जिला प्रशासन की आलोचना की है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले छोटे किसानों और व्यापारियों को इस स्थिति का सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। नगर पालिका सीएमओ मिनी अग्रवाल ने समस्या को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि नई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनने के बाद ही मंडी में सुधार कार्य शुरू किए जा सकेंगे।

चोरों ने धारदार औजार काटे चार पोलों के तार

सीधी में रामपुर नैकिन क्षेत्र के तीन गांवों में दिनभर बिजली गुल, ग्रामीणों ने की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने चार विद्युत पोलों से तार काटकर चुरा लिए। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात को अज्ञात चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। इस चोरी से ग्राम कोदईड़ाड़ समेत तीन गांवों में रविवार को पूरा दिन बिजली आपूर्ति बाधित रही।लोगों को दोपहर में मिली तार चोरों की जानकारीग्रामीणों को रविवार दोपहर चोरी का पता चला। उन्होंने शाम 6 बजे थाना रामपुर नैकिन में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

बिजली कर्मचारी चंद्रभान ने बताया कि आसपास के पोलों से तार गायब थे। जिसकी सूचना मिलते ही बिजली कंपनी वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश पर कर्मचारी मौके पर पहुंचे। जांच में पाया गया कि तार को धारदार औजार से काटा गया है। चोर प्लानिंग के तहत पूरे नेटवर्क को निशाना बनाकर तार लेकर फरार हो गए। बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने रामपुर नैकिन थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी को शिकायत दी। थाना प्रभारी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम को चोरी की जांच के लिए लगाया गया है।

आयोग की सदस्य पवार ने किया अरुणोदय सेवा संस्था बाल गृह पड़रा का निरीक्षण

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग का जिले में भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग भोपाल की सदस्य श्रीमती मेघा पवार का दिनांक 21 जून से 24 जून 2025 तक जिला-सीधी एव सिंगरौली का पूर्व से नियत भ्रमण कार्यक्र म अंतर्गत जिला सीधी में आगमन हुआ है। जिला कार्यक्र म अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी प्रवेश मिश्रा द्वारा बताया गया कि बाल आयोग की सदस्य श्रीमती मेघा पवार का जिले में विभिन्न शासकीय/अशासकीय शैक्षणिक संस्थानों, छात्रावासों एवं बच्चों से संबंधित संस्थाओं के निरीक्षण सहित बच्चों के हित में कार्य करने वाले विभिन्न विभागों यथा महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, श्रम विभाग, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस आदि के साथ बाल संरक्षण के मुद्दे पर जिला स्तरीय समन्वयक बैठक 24 जून 2025 को नियत है।सदस्य श्रीमती मेघा पवार द्वारा 22 जून 2025 को अरूणोदय सेवा संस्था बाल गृह पड़रा जिला-सीधी का औचक निरीक्षण किया गया। संस्था में देख रेख व आवश्यकता बाले बच्चों हेतु उपलब्ध आवासीय सुविधा का अवलोकन किया गया।

निवासरत बच्चों से बात कर संस्था में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई। श्रीमती पवार द्वारा संस्था में उपलब्ध सुविधाओं का संतोष व्यक्त करते हुए संस्था में निवासरत बच्चों के व्यक्तिगत देख रेख योजना अनुसार पुनर्वास किये जाने एवं विद्यालय में प्रवेश दिलाये जाने का निर्देश दिया गया।बाल गृह के निरीक्षण के दौरान अनुराग पाण्डेय परिवीक्षा अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी, बालगृह की अधीक्षक निर्मला सिंह एवं अन्य कर्मचारी उपस्थिति रहे।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में कक्षा 6वीं में आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई

सीधी .प्रभारी प्राचार्य पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट ने जानकारी देकर बताया कि पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट जिला सीधी के कक्षा 6वीं में सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन हेतु विद्यालय की वेबसाइट (दंअवकंलंण्हवअण्पद) या (ीजजचेरूध्ध्बइेतपजउेण्तबपसण्हव अण्पदध्दअेध्द) आवेदन प्रक्रि या प्रारंभ हो गई है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 29.07.2025 है। अभ्यर्थी का जन्म दिनांक 01.05.2014 से 31.07.2016 के बीच होना चाहिए।

सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान हेतु पूर्णत : ऑनलाईन व्यवस्था लागू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि कार्यालय आयुक्त, कोष एवं लेखा म.प्र. द्वारा प्रदेश के समस्त कोषालयों में सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान हेतु पूर्णतः ऑनलाईन व्यवस्था दिनांक 21 फरवरी 2025 से लागू की गई है। नवीन प्रक्रि या के अंतर्गत महालेखाकार कार्यालय द्वारा ऑनलाईन अंतिम भुगतान के प्राधिकार पत्र जारी किए जाएंगे। इस संबंध में ई-दक्ष केन्द्र में अभिलेखों को स्कैन करने एवं ऑनलाईन प्रोसेस की हैण्डस ऑन प्रशिक्षण सत्र भी दिनांक 27.02.2025 से दिनांक 06.03.2025 तक आयोजित किये गये हैं। उन्होने जिले के समस्त आहरण संवितरण अधिकारियों को सूचित किया है कि भविष्य में किये जाने वाले सामान्य भविष्य निधि के अंतिम भुगतान की प्रक्रिया को ऑनलाईन ईजीपीएफ प्रेषित किये जावें। साथ ही अंतिम भुगतान प्रकरण महालेखाकार कार्यालय को प्रेषित करते समय पांचवी अनुसूची के साथ सामान्य भविष्य निधि पासबुक को स्पष्ट स्कैन कर अनिवार्य रूप से अटैच करना सुनिश्चित करें।

विश्वविद्यालय के खिलाफ जंगी प्रदर्शन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में आज अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ जंगी प्रदर्शन व उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसमें प्रमुख बिंदु हैं उत्तर पुस्तिकाओं का गायब होना व परीक्षा परिणाम में लगातार धांधली, संभल, मेधावी के पात्र छात्रों से फीस वसूलना, ड.मक व ठ.मक की मान्यता जल्द से जल्द वापस लाई जाए, विश्वविद्यालय से लगभग 10 जिलों के महाविद्यालय मान्यता प्राप्त हैं तो उसके लिए एक स्थाई हेल्प डेस्क व हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाए, विश्वविद्यालय द्वारा टेंडर प्रक्रिया को बिल्कुल पारदर्शी रूप से किया जाए, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संघ से जुड़े हुए हैं व छात्रों को भी इसमें जबरदस्ती जोड़ने का प्रयास करते हैं यह जल्द से जल्द बंद किया जाए, खेल के क्षेत्र में खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं जैसे आर्थिक सहायता हुआ किट जैसी समस्याओं को जल्द से जल्द सुधारा जाए, इसी तरह अन्य कई व्याप्त समस्याओं के खिलाफ एनएसयूआई द्वारा विश्वविद्यालय के खिलाफ आज 12 बजे उग्र आंदोलन किया जा रहा है।

वृक्षारोपण कर मनाया जाएगा डॉ मुखर्जी का बलिदान दिवस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणा स्रोत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस 23 जून को जिले के सभी मतदान केंद्रों में मनाया जाएगा भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया है कि डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भारतीय जनता पार्टी जिले के सभी मतदान केंद्रों में गोष्ठी के साथ बृहदवृक्षारोपण किया जाएगा जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजन के लिए विवेक गौतम को संयोजक राजेश सिंह को सह संयोजक सदस्य तुलसीदास कोल और रविराज विश्वकर्मा को बनाया गया है वहीं भाजपा कार्यालय रीवा में 4 बजे डॉ मुखर्जी के कृतित्व एवंव्यक्तित्व पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसमें रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा जिला संगठन प्रभारी शशांक श्रीवास्तव सभी विधायक उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता द्वारा किया जाएगा भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने सभी मतदान केदो में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से उपस्थित रहते हुए वृक्षारोपण के साथ भाजपा कार्यालय में आयोजित गोष्ठी मे पहुंचने की अपील की है

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का लाभ लेने ऑनलाइन करें आवेंदन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक उद्यान जिला सीधी ने जानकारी देकर बताया कि उद्यानिकी विभाग में प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना, एकीकृत बागवानी विकास योजना, राज्य योजना में फ्ल पौधरोपण योजना, सब्जी क्षेत्र विस्तार, मसाला क्षेत्र विस्तार योजनाओं में आनलाईन आवेदन प्रारंभ हो गये हैं। उन्होंने समस्त कृषक बंधुओं को सूचित किया है कि विकासखण्ड के कियोस्क सेन्टर में एपीएफएसटीएस पोर्टल पर आनलाईन आवेदन कर योजना का लाभ लेवें। योजना से संबंधित अधिक जानकारी हेतु सहायक संचालक उद्यान सीधी एवं विकासखण्ड में पदस्थ प्रभारी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारियों से सम्पर्क कर कार्यालयीन समय में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

पहली ही बारिश में खुली नगर परिषद चाकघाट और त्यौंथर के विकास की पोल

पानी निकासी की व्यवस्था न होने से कई स्थानों पर लोगों के घरों में भरा गंदा पानी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले से 100 किमी की दूरी पर स्थित त्यौंथर और चाकघाट नगर परिषद इलाके की मानसून पहली बारिश ने विकास की पोल खोल कर रख दी । पानी निकासी बेहतर व्यवस्था और कई जगह नालियों की सफाई न होने के कारण आम जान जीवन प्राभावित है। हालत यह है कि जहां पानी की निकासी की बेहतर व्यवस्था नहीं बनाई गई वहीं दूसरी स्थान पर पानी निकासी ही बनाई गई और जहा बनाई गई वहां साफ सफाई न होने के कारण नालियों के ऊपर से पानी बह रहा है जिसके कारण चाकघाट और त्यौंथर नगर परिषद में बारिश होते ही जल भराव जैसे हालत हो जाते है। विगत दो दिन से रुक रुक कर हो रही बारिश के कारण चाकघाट नगर परिषद और त्यौंथर नगर परिषद के विभिन्न वार्डो में घुटने भर पानी भर गया। जिम्मेदार नगर के अधिकारी सीएमओ पानी की निकासी के बेहतर व्यवस्था बनाना तो दूर झमाझम बारिश के के बीच निकास क्षेत्र का भ्रमण के करना उचित नहीं समझे जिसके कारण पहले ही बारिश में लोगों को परेशानियों का गांव से गुजरना पड़ रहा है

मुख्यालय में अधिकारी न रहने के कारण परेशान जनता: जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी होने के कारण जिम्मेदार मुख्यालय में न रहकर रीवा प्रयागराज से अप डाउन करते हैं वही अप डाउन के कारण जिम्मेदार अधिकारी के पास इतना समय ही नहीं बच पाता कि वह नगर क्षेत्र में भ्रमण करे कहने को तो क्षेत्र के विकास के नाम पर स्वच्छता एवं सफाई सहित अन्य विकास कार्यों के लिए अकूत राशि खर्च की जाती है पर सिर्फ कागजों पर ही जिसका उदाहरण पहले ही बारिश ने त्यौंथर नगर परिषद और चाकघाट नगर परिषद की विकास की पोल खोल कर रख दी अगर नगर परिषद इलाके के लोगों की माने तो नगर की व्यवस्था भगवान के भरोसे है साफ सफाई सिर्फ उन स्थानों तक होती है जहां इलाका चर्चित होता है वही नगर परिषद के जिम्मेदार सीएमओ और इंजीनियर सहित जनप्रतिनिधि निकाय क्षेत्र के साफ सफाई एवं बेहतर कार्य किए जाने की सारंगी बजाते अपने ही पीठ थपथपाने में लगे हुए हैं जबकि जमीनी हालात कुछ और है देखने में आ रहा है कि शासन प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों को मनसा अनुसार बरसात में आने से पहले नालियों की साफ सफाई के साथ अन्य पानी भराव वाले स्थानों को चिन्हित कर पानी निकासी की व्यवस्था हो और प्रतिदिन नगर परिषद इलाके में साफ सफाई हो लेकिन जिम्मेदार पता नहीं क्यों पहले सचेत नहीं होते अगर चाकघाट नगर परिषद के वार्ड क्र. 13 के व्यवसायी दीपक तिवारी जिनकी स्कूटी की एजेंसी है उनकी की माने तो चार पांच से दिन साफ सफाई नहीं हुई जब हमारी टीम मौके पर पहुंची तो देखकर चौक गई नालिया बजबाजाती मिली और कचड़ा सड़क के किनारे ढेर मिला

यहां की स्थिति है ख़राब: पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था न होने के कारण चाकघाट नगर परिषद और त्यौंथर नगर परिषद इलाके के कोई एक वार्ड नहीं है ज्यादातर वार्ड प्रभावित है हर वार्ड में जलभराव की स्थिति है और साफ सफाई की बात करे तो मुख्य मार्गों को छोड़ कर जैसे झाड़ू कभी कभार लगाता हो नगर परिषद के ग्रामीण इलाकों की व्यवस्था तो भगवान भरोसे है यहां की लगी स्ट्रीट लाइट तक नहीं जलती ज्यादातर बंद रहती है

आखिर कौन देगा जनता के सवाल का जवाब: नगर निकायों में जो चल रहा है उसको देखकर एक बात आज तक किसी भी जनमानस के समझ में नहीं आई कि आखिर हम भोली भाली जनता के साथ आखिर जिम्मेदार आखिर ऐसा क्यों दोनों नगर परिषद उसके पास आज की स्थिति में पर्याप्त सफाई कर्मचारी है कई ऐसे वार्ड है जहां नालियो सहित प्रतिदिन साफ सफाई की आवश्यकता नहीं पड़ती पर ऐसा क्यों होता समय समय पर नालियों की साफ सफाई न होने के कारण बरसात के महीने में जानलेवा मच्छर का भी आतंक देखने को मिलने लगा।

वही जब तहसील मुख्यालय के त्यौंथर नगर परिषद सीएमओ अजय पांडे से फोन पर साफ सफाई सहित पानी निकासी जानकारी ली गई तो सीएमओ साहब ने बताया कि हमारी सफाई अभियान जारी है पर सवाल है कि समय रहते हुए क्यों जिम्मेदार सचेत नहीं होते वही जब चाकघाट नप के इंजीनियर राम जी द्विवेदी से फोन पर पूछा गया साफ सफाई सहित अन्य विषयों पर तो गोल मोल जवाब देते आए।

श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एस.आर.आई. श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 क्विंटल धान का उत्पादन होता है। उप संचालक कृषि ने किसानों से धान रोपण के लिये श्री विधि अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिये वरदान है। उप संचालक ने बताया कि श्री विधि से प्रति हेक्टेयर केवल 6 से 8 किलो बीज की जरूरत होती है। इसे विशेष तरह की प्लेट अथवा पॉलीथीन में नर्सरी लगाकर तैयार किया जाता है। इसमें भुरभुरी मिट्टी तथा राख का होना आवश्यक है। इसके लिये 10 मीटर लम्बी तथा 5 से.मी. ऊंची क्यारी बनायें। इसमें 50 किलो नाडेप अथवा गोबर की खाद मिलाकर बीजों की बोनी करें। बोनी से पहले बीजों को थाईरम दवा से उपचारित करें। प्रत्येक क्यारी में 120 ग्राम बीज की बोनी करें। इन्हें ढंककर हल्की सिंचाई करें। धान रोपित करने के लिये खेत को गहरी जुताई करके उसके खरपतवार नष्ट करें। खेत में पर्याप्त पानी देकर रोपाई के लिये खेत तैयार करें। इसमें नर्सरी में तैयार धान के 15 से 21 दिन के पौधे रोपित करें। तैयार खेत में मार्कर हल की सहायता से 20-20 से.मी. दूरी पर निशान बनायें। इन निशानों पर धान का केवल एक पौधा रोपित करें। उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पौधे से पौधे तथा कतार से कतार की दूरी 2 से.मी. रखें। पौधों के बीच में पर्याप्त अंतर होने पर उन्हें पर्याप्त हवा तथा नमी प्राप्त होगी। कतार में पर्याप्त दूरी रहने पर खरपतवार होने की स्थिति में कोनावीडर की सहायता से इन्हें आसानी से निकालकर खाद बनायी जा सकती है। मृदा हेल्थ कार्ड में खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों के अनुसार खाद का उपयोग करें। इसमें गोबर की खाद नाडेप तथा वर्मी खाद का अधिक उपयोग करें। धान रोपित करने के 15 दिन बाद कम मात्रा में यूरिया का छिड़काव किया जा सकता है। श्री विधि से धान लगाने पर खेत में पानी भरने की जरूरत नही होती है। लेकिन खेत में नमी बनी रहे इसकी व्यवस्था करें। जिस समय धान के पौधो में वृद्धि हो रही हो उस समय खेत को 2 से 3 दिनों के लिये सूखा छोड़ देना चाहिये। इसके बाद पुनरू हल्की सिंचाई करके खेत को नम करना चाहिये। इस विधि से किसान 35 से 50 क्विंटल तक धान प्राप्त कर सकते हैं। इसके संबंध में किसान कृषि विस्तार अधिकारी से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

हितग्राहियों को ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 30 जून

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि समस्त पात्र हितग्राहियों के ई-केवाइसी किए जाकर दोहरे, अपात्र, साईलेन्ट राशनकार्डों का पोर्टल से विलोपन करने निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त समय-सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी न होने पर ई-केवाईसी शेष रहने वाले हितग्राहियों को वितरित खाद्यान्न पर भारत सरकार द्वारा अनुदान भुगतान पर रोक लगाया जाना संभावित है तथा ऐसे हितग्राहियों को राशन प्रदाय करने में राज्य शासन को अतिरिक्त वित्तीय व्यय भार आना संभावित है। एनएफएसए 2013 अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की ई-केवाईसी कराना राज्य शासन की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विभागीय समीक्षा में भी हितग्राहियों की ई-केवाईसी प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि एनएफएसए 2013 अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की ई-केवाइसी पूर्ण करने हेतु सतत् रूप से अभियान चलाया जा रहा है तथा शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण करने हेतु दिनांक 15.06.2025 तक की समय-सीमा निर्धारित की गयी थी किन्तु उक्त समय-सीमा पूर्ण होने के उपरांत भी जिले का 1 लाख 45 हजार 138 हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूर्ण करने हेतु शेष है। ई-केवाइसी से शेष रहे हितग्राहियों को पीडीएस अंतर्गत पात्रतानुसार राशन प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो इस तथ्य को दृष्टिगत रख ई-केवाईसी अभियान की अवधि दिनांक 30.06.2025 तक बढ़ाते हुए जिले के राजस्व, ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, सहकारिता, एनएलआरएम तथा आवश्यक अन्य विभागों के अतिरिक्त अमले को अभियान में संलग्न कर समय-सीमा में शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण कराने हेतु आदेशित किया गया है। सीधी जिले में आज दिनांक की स्थिति में जिले के 10 लाख 27 हजार 268 सदस्यों में से 8 लाख 82 हजार 130 सदस्यों की ई-केवाईसी की जा चुकी है, जो 86 प्रतिशत है। शेष 1लाख 45 हजार 138 सदस्यों की ई-केवाईसी किया जाना शेष है और निरंतर सभी उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं द्वारा ई-केवाइसी की जा रही है, जिन व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है, जो व्यक्ति अन्य स्थान पर चले गये हैं, जिन महिलाओं का विवाह होकर अन्य स्थान में रहती हैं एवं ऐसे व्यक्ति जिनके आधार अन्य राज्य के हो, डबल समग्र आईडी वाले व्यक्ति हो अथवा जो कार्डधारी 04 माह से खाद्यान्न प्राप्त नहीं किये हैं उन सभी को दिनांक 30.06.2025 तक नियमित रूप से डिलीट किया जाना है। उन्होंने बताया कि ऐसे हितग्राही जिनके परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी नहीं हुई है वे उचित मूल्य दुकानों के विक्रेता से सम्पर्क कर दिनांक 30.06.2025 के पूर्व ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से करा लें अन्यथा हितग्राहियों को माह जुलाई 2025 से खाद्यान्न प्राप्त नहीं होगा।

जिले में औसत वर्षा 95.0 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 22 जून को सीधी जिले में 32.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 32.5 मि.मी., चुरहट में 15.0 मि.मी., गोपद बनास में 54.0 मि.मी., सिहावल में 3.0 मि.मी., बहरी में 72.0 मि.मी., मझौली में 34.0 मि.मी. और कुसमी में 20.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 95.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 22 जून तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 241.0 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 51.5, चुरहट में 21.5, गोपद बनास में 83.4, बहरी में 147.5 मझौली में 84.0 मि.मी. और कुसमी में 36.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 14.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 80.6 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

उप मुख्यमंत्री ने भैरवबाबा मंदिर के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने गतदिवस गुढ़ स्थित भैरवबाबा मंदिर पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मंदिर सहित परिसर के सभी निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर हैं शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करें ताकि भव्य मंदिर का लोकार्पण कराया जा सके। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि विवेक दुबे उपस्थित रहे।

विचार

असीम मुनीर ने बदल डाली विदेश नीति

पाकिस्तान का फील्ड मार्शल बनने के बाद कट्टरपंथी सेनाध्यक्ष असीम मुनीर का पहला अमेरिकी दौरा पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना रहा क्योंकि इससे पहले किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने किसी देश के सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच पर नहीं बुलाया था। वह भी ऐसे देश के सेनाध्यक्ष को जिसके तार अमेरिका और भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों में हुए तमाम आतंकवादी हमलों से सीधे जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान के करीब आने के अमेरिका के कारण जो भी हों मगर यह तो साफ दिख ही रहा है कि दोनों देशों के संबंध इस समय वैश्विक सुर्खियों में हैं। यह भी देखने को मिल रहा है कि अमेरिका के बदले हुए मन से उपजे अवसरों का पूरा लाभ लेने के लिए पाकिस्तान की सरकार और सेना इस समय काफी सक्रिय नजर आ रही है। असीम मुनीर और शहबाज शरीफ को दिन-रात अरबों डॉलर के सपने ही दिख रहे हैं इसलिए वह अमेरिका की जी-हुजूरी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की वैश्विक छवि को नया आकार देने और वॉशिंगटन के साथ संबंधों को मज़बूत करने के प्रयासों के तहत, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल जनरल सैयद आसिम मुनीर ने अमेरिका की अपनी एक सप्ताह लंबी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई महत्वपूर्ण अमेरिकी अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। मुनीर ने अमेरिकी रणनीतिक विशेषज्ञों, थिंक टैंकों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, यह दौरा एक सुनियोजित कूटनीतिक प्रयास था, जिसमें जनरल मुनीर ने वैश्विक और क्षेत्रीय हालात पर पाकिस्तान के सिद्धांत आधारित दृष्टिकोण को साझा किया। मुनीर के अमेरिका दौरे के दौरान यह बात भी उभर कर आई कि सेनाध्यक्ष ने अपने देश की विदेश नीति को ही पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पाकिस्तान को हालांकि एक डर सता रहा है कि अमेरिका के ज्यादा करीब जाने से कहीं चीन ना नाराज हो जाये जोकि उसका मुश्किल समय का पुराना साथी है। इसीलिए पाकिस्तान ने तुरंत अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को बीजिंग भी भेज दिया था ताकि चीन-पाक-बांग्लादेश गठजोड़ बना कर पुराने दोस्त को दोस्ती बरकरार रहने का विश्वास दिलाया जा सके। मुनीर के अमेरिका दौरे पर और विस्तार से नजर डालें तो एक बात यह भी उभर कर आती है कि उन्होंने हाल के भारत-पाक सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तानी सेना के शौर्य को खूब बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। जनरल मुनीर ने पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी रणनीति को रेखांकित करते हुए मारका-ए-हक़ और ऑपरेशन बुंयानुम मर्सूस जैसे सैन्य अभियानों का हवाला दिया। पाकिस्तान की इमेज का मेकओवर करने के प्रयास में उन्होंने अपने देश की भूमिका को आतंक के खिलाफ वैश्विक युद्ध में अग्रणी राष्ट्र बताया और इस संघर्ष में जान गंवाने वाले सैनिकों व नागरिकों की कुर्बानियों को याद किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बिना भारत का नाम लिए, उन्होंने कुछ क्षेत्रीय शक्तियों द्वारा आतंकवाद को हाइब्रिड युद्ध के औजार के रूप में इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी दी। हम आपको बता दें कि यह एक ऐसा बयान है जिसके जरिये पाकिस्तान अक्सर कूटनीतिक भाषा में भारत की ओर इशारा करता है।

कनाडा-भारत के बीच सुधरते रिश्ते के मायने

कनाडा-भारत के बीच सुधरते रिश्ते दोनों देशों के लिए परस्पर लाभदायी हो सकते हैं, योंकि दोनों देश अमेरिका जैसे अंतरराष्ट्रीय महाशक्ति के निशाने पर हैं। एक ओर जहां कनाडा को अमेरिका अपने राज्य में मिलाना चाहता है, वहीं दूसरी ओर भारत को अमेरिका विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नीचा दिखाना चाहता है, ताकि उसकी वैश्विक दादागिरी बरकरार रहे। चूंकि भारत और कनाडा के रिश्तों में एक नया मोड़ आ गया है और लगभग दो साल की तनातनी के बाद, कनाडा ने एक बड़ा खुलासा किया है। कनाडा की खुफिया एजेंसी सीएसआईएस ने स्वीकार किया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथी (आतंकवादी) भारत के खिलाफ हिंसा, प्रचार और फंड इकट्ठा करने के लिए उसकी धरती का इस्तेमाल कर रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी (अलगाववादी) कनाडा से भारत के खिलाफ गतिविधियां चला रहे हैं। साल 1980 के दशक से ही कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों ने हिंसक तरीके से पंजाब में एक स्वतंत्र सिख राज्य बनाने के लिए अभियान चलाया है।

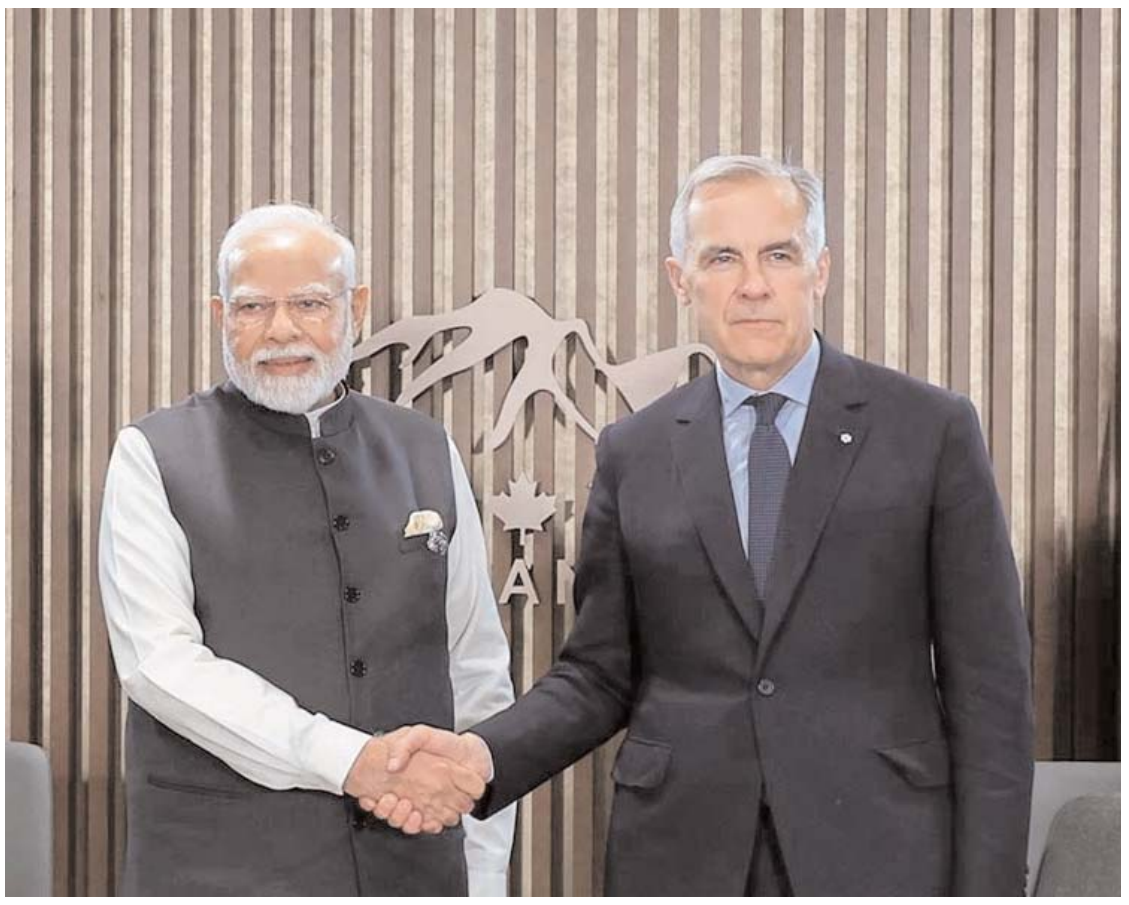

इस रिपोर्ट में 1985 के एयर इंडिया बम धमाके का भी जिक्र है। जिससे भारत के उस दावे को बल मिला है, जिसमें वह कहता रहा है कि कनाडा आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। ष्टस्ड्डस् ने यह खुलासा किया कि पाकिस्तान, कनाडा में भारत के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहा है। यह भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत है। इससे यह साफ होता है कि भारत के विरोधी देश, दूसरे देशों की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं।दरअसल, यह बात तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की गत दिनों कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात हुई और आपसी द्विपक्षीय रिश्तों को पुन: पटरी पर लाने के लिए बहुत ही सकारात्मक माहौल में बात हुई।

इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात को %आधारभूत% बताया था। इसका मतलब है कि दोनों देश पिछली बातों को भूलकर आगे बढ़ना चाहते हैं। हालांकि, भारत पिछली बातों को भूलने वाला नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच में कई रणनीतिक करार भी किये गए हैं, ताकि आपसी भरोसा और कारोबार दोनों बढ़े। इस हेतु राजदूतों की भी नियुक्ति कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से कनाडा पर खालिस्तानी अलगाववादियों को लेकर नरम रवैया अपनाने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन अब कनाडा सरकार की इस आधिकारिक रिपोर्ट ने भारत की शिकायत को सही ठहराया है। बहरहाल, सीएसआईएस ने भी यह मान लिया है कि पाकिस्तान, कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ जारी गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। बता दें कि पीएम मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान खालिस्तानी समूहों ने उनको लेकर धमकियां देने तक की हिमाकत की थी।

ऐसे में सीधा सवाल उठता है कि क्या बिना कनाडा में उनसे सहानुभूति रखने वालों के शह और पाकिस्तान की बैकिंग के वह इतनी हिम्मत कभी जुटा पाते? इसलिए पूरक प्रश्न यही है कि जब कनाडा ने मान लिया कि पाकिस्तान-खालिस्तानियों की जुगलबंदी से उसकी धरती से भारत के खिलाफ हिंसक साजिशों को अंजाम दिया जा रहा है तो फिर उससे भारत क्या उम्मीदें कर सकता है? यही न कि कनाडा आतंकवादियों को भारत के हवाले करे, खालिस्तानी नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म करे और अलगाववाद को आतंकवाद माने।

वहीं, इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, भारतीय अधिकारी जिनमें उनके कनाडा स्थित प्रॉक्सी एजेंट भी शामिल हैं, वे कई तरह की गतिविधियों में शामिल हैं। उनका उद्देश्य कनाडाई समुदायों और राजनेताओं को प्रभावित करना है। इसमें दावा किया गया है कि जब ये गतिविधियां भ्रामक, गुप्त या धमकी देने वाली होती हैं, तो उन्हें विदेशी हस्तक्षेप माना जाता है। हालांकि, भारत पहले से ही कनाडाई अधिकारियों की ओर से लगाए जाने वाले इस तरह के आरोपों को खारिज करता रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कनाडा के लिए सबसे बड़ा खुफिया खतरा चीन है। रिपोर्ट में इसके अलावा पाकिस्तान, रूस और ईरान का भी नाम लिया गया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हरदीप सिंह निज्जर मामले से भारत सरकार और आपराधिक नेटवर्क के बीच संबंधों का पता चला है। इसमें कहा गया कि खालिस्तानी उग्रवाद कनाडा में भारतीय विदेशी हस्तक्षेप गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने निज्जर की मौत में अपनी संलिप्तता से साफ इनकार किया है और कनाडा की ओर से लगाए गए हस्तक्षेप के आरोपों को भी खारिज किया है।

बता दें कि साल 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के संबंधों में तीखी तनातनी देखी गई थी। कनाडाई अधिकारियों ने इस हत्या को भारतीय सरकार के हस्तक्षेप से जोड़ा, जिसका भारत ने खंडन करते हुए इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताया था। भारत ने इसके जवाब में कनाडा पर खालिस्तानी चरमपंथियों को पनाह देने और उनकी गतिविधियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

यक्ष प्रश्न है कि अब पाकिस्तान के साथ खालिस्तानियों की जुगलबंदी का क्या होगा, क्योंकि आतंकवाद पर कनाडा के कबूलनामे को भारत की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। चूंकि भारत और कनाडा के रिश्तों में बदलाव आया है, इससे खालिस्तानियों की बेचैनी बढ़ जाएगी। क्योंकि भारत ने कनाडा से साफ कहा है कि वह आतंकवादियों को सौंपे और खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करे। भारत ने 26 आतंकवादियों को सौंपने के लिए कहा है, जिनमें से सिर्फ 5 पर ही कार्रवाई हुई है।

उम्मीद है कि इस मामले में कनाडा अब कार्रवाई करके दिखाएगा। इनमें अर्श डल्ला का मामला भी शामिल है, जिस पर भारत में 50 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। डल्ला को कनाडा की अदालत ने जमानत भी दे दी थी। भारत ने कनाडा से यह भी कहा है कि वह भगोड़ों को गिरफ्तार करे और रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई करे। लेकिन, कई मामलों में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे भारत नाराज है।

हालांकि, कार्नी के लिए यह मुश्किल है कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक सिखों को नाराज किए बगैर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करें। कारण कि वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन जैसे संगठन कनाडा में काफी प्रभावशाली हैं। इसलिए, कनाडा के लिए आतंकवादियों पर कार्रवाई करना उतना आसान भी नहीं है। जस्टिन ट्रुडो की सरकार में तो इसीलिए ऐसे भारत-विरोधी संगठन पूरी तरह से हावी हो चुके थे। हालांकि, राजनीतिक रूप से कार्नी उनको लेकर इतने मोहताज भी नहीं हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि भारतीय मूल के कनाडाई अलगाववादी वहां बहुत बड़े वोट बैंक बन चुके हैं। फिर भी, उम्मीद की किरण बची हुई है। क्योंकि दोनों देश आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह बनाने पर बात कर रहे हैं। दरअसल, बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का संदेश साफ है, अब और ज्यादा दोहरा रवैया किसी भी देश का नहीं चलेगा। भले ही कनाडा उदारवाद और बोलने की आजादी की बात करता है, लेकिन भारत के खिलाफ हिंसा करने वालों पर आंखें भी मूंदे नहीं रह सकता। यही वजह है कि कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात खत्म होते ही कहा, अभी बहुत काम करना बाकी है।% भारत के लिए यह एक बड़ी जीत है कि दोनों नेताओं की सीधी मुलाकात के बाद ही कनाडा की खुफिया एजेंसी भी अब भारत के दावों को स्वीकारने लगी है। एक तरह से यह कहा जा सकता है कि यह खालिस्तान समस्या का अंत तो नहीं है, लेकिन कनाडा की धरती पर इसकी शुरुआत हो चुकी है।

एकात्म मानववाद का संदेशवाहक है योग

डॉ. शंकर सुवन सिंह

मानव का प्रकृति से अटूट सम्बन्ध होता है। समाज प्रकृति की व्यवस्था पर टिका हुआ है। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती हैं- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। जिस प्रकार माँ के आँचल में जीव जंतुओं का जीवन पनपता या बढ़ता है तो वहीँ प्रकृति के सानिध्य में जीवन का विकास करना सरल हो जाता है। पृथ्वी जीव जंतुओं के विकास का मूल तत्व है। प्रकृति के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। मानव या व्यक्ति समाज की एक इकाई है। कई व्यक्तियों का समूह समाज कहलाता है। मानवता का एकीकृत होना ही एकात्म मानववाद है। मानवता एकता का प्रतीक है। एकता अखण्डता को दर्शाती है। योग भारत की अक्षुण्ण एकता का परिचायक है। शरीर और आत्मा का एकीकरण मानवता को जन्म देता है। योग शरीर को आत्मिक अनुभूति प्रदान करता है। स्व के साथ अनुभूति ही दर्शन कहलाता है। एकात्म मानववाद दर्शन का ही हिस्सा है।

एकात्म मानववाद विचारधारा के जनक/प्रस्तावक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी थे। एकात्म मानववाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शक दर्शन है। योग अपनेपन को विकसित करता है। अपनापन, अकेलापन को दूर करता है। अपनापन का शाब्दिक अर्थ है- आत्मीयता । आत्मीयता अर्थात अपनी आत्मा के साथ मित्रता। कहने का तात्पर्य- मनुष्य कभी अकेला नहीं होता है। मनुष्य जब नकारात्मक विचारों से ग्रसित होता है तो वह

आत्मीयता अनुभव नहीं करता है। नकारात्मकता अकेलेपन को जन्म देती है। सकारात्मकता अपनेपन को जन्म देती है। अपनापन ही अकेलापन को दूर करता है। भीड़ में शामिल होने से हम अपने को अपने आप से अलग करते हैं ।भीड़ में शामिल होना अर्थात अपने को अपने आप से अलग करना हुआ। अलग होना आत्मीयता के लक्षण नहीं हैं। अपने आप को अपने से अलग करके कभी भी अकेलापन दूर नहीं किया जा सकता है। अतएव अपनी आत्मीयता को बनाए रखें। जिससे जीवन में अकेलेपन का अनुभव न हो। कोई भी व्यक्ति इस धरती पर अकेला नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति भौतिक रूप से भौतिक संसाधनो व चारो ओर के आवरण से घिरा हुआ है। देखा जाए तो भौतिक रूप से भी व्यक्ति अकेला नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि कोई भी व्यक्ति न तो आध्यात्मिक रूप से अकेला है और न ही भौतिक रूप से। योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। योग रोग को ख़त्म करता है। अयोग्य वह है जो असंतुलित है। असंतुलन आलस्य की निशानी है। आलसी व्यक्ति असंतुलित होता है। अयोग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए अनुपयुक्त होता है।

योग आलस्य और प्रमाद को दूर कर व्यक्ति को संतुलित करता है। संतुलन कर्मठता की निशानी है। योग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए उपयुक्त होता है। योग व्यक्ति को योग्य बनाता है। ऋग्वेद के ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ में चरैवेति शब्द का उल्लेख मिलता है। चरैवेति अर्थात चलते रहना, रुकना नहीं। हर स्थिति और परिस्थिति में आगे ही आगे बढ़ते चलने का नाम जीवन है। जिस प्रकार बहते हुए जल में पवित्रता बनी रहती है उसी प्रकार निरंतर चलने वाले व्यक्ति में कर्मठता बनी रहती है। अयोग्यता ठहराओ के सिद्धांत पर आधारित है। अयोग्य व्यक्ति ठहरे हुए जल के समान है जबकि योग्य व्यक्ति बहते हुए जल के समान है। योग आंतरिक शांति या मन की शांति बनाए रखता है, जो मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। योग से शांति, सामंजस्यता और शालीनता का विकास होता है। योग आत्मनिर्भरता के मार्ग को प्रशस्त करता है। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। हिन्दू संस्कृति में राम द्वारा किया गया आदर्श शासन रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है।

प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2025 में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है । 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम/प्रसंग है- एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य। अर्थात पृथ्वी पर बसने वाले सभी मानव स्वस्थ्य हो और उनकी काया निरोगी हो। योग का स्वास्थ्य से घनिष्ठ सम्बन्ध है। योग से शरीर में नवीन ऊर्जा का संचार होता है। यही नवीन ऊर्जा हमारे शरीर में नई कोशिकाओं का निर्माण करती हैं। शरीर को पुनर्निर्मित करने का काम योग का है। योग से एकात्म मानववाद का विस्तार होता है। अतएव योग वसुधैव कुटुंबकम (पूरा विश्व एक परिवार है) के दर्शन को फलीभूत करता है। योग से पूरा विश्व स्वस्थ्य होगा। एक स्वस्थ्य विश्व ही विश्व की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा। अत: यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पूरे विश्व का स्वास्थ्य वैश्विक सम्पदा का आधार है। एक स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क नशे जैसी आदतों से दूर रहता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क स्वस्थ्य समाज की रीढ़ है। मानवता स्वस्थ्य मस्तिष्क में ही जन्म लेती है। एकात्म मानववाद की विचारधारा पूरे विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाती है। यदि पूरे विश्व की मानवता एक साथ एक मंच पर खड़ी हो जाए तो विश्व स्वर्ग हो जाएगा। इस्राइल- ईरान और रूस- यूक्रेन युद्ध अस्वस्थ्य विचारधारा का परिणाम है। मानवता जंग करना नहीं सिखाती। मानवता मानव के साथ प्रेम करना सिखाती है। एकात्म मानववाद एक स्वस्थ्य विचारधारा है। अतएव हम कह सकते हैं कि योग, एकात्म मानववाद का संदेशवाहक है।

अमेरिका बोला- छत्तीसगढ़ संभलकर जाएं

यूएस ने भारत के कई राज्यों में यात्रा को लिए एडवाइजरी जारी की, भूपेश बोले- ये है अमृत काल?

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारत के कुछ स्टेट ऐसे हैं जहां यात्रा न करने की सलाह दी गई है। वहीं नक्सल हिंसा के चलते कुछ राज्यों में यात्रा में सावधानी बरतने की भी एडवाइजरी है। इस कैटेगरी में छत्तीसगढ़ भी है। ये एडवाइजरी अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी की है। वहां के नागरिकों को बताया गया है कि भारत के कुछ राज्यों में हालात ठीक नहीं है, ऐसे में वहां यात्रा करते समय मंत्रालय को इसकी पूरी जानकारी देकर ही यात्रा करें। प्रदेश में अब इस मामले में सियासी बवाल भी शुरू हो चुका है। भूपेश बघेल ने लिखा- ये है अमृत काल? अमरीकी सरकार ने अपने नागरिकों के लिए भारत के छह राज्यों में यात्रा न करने की चेतावनी जारी की है। इसमें हमारा छत्तीसगढ़ भी शामिल है। प्रधानमंत्री जी की अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दोस्ती का ऐसा सिला?

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय बोले- अमेरिकी विदेश विभाग की ट्रैवल एडवाइजरी में छत्तीसगढ़ को हाई रिस्क स्टेट के रूप में चिह्नित किया गया है। ये राज्य सरकार की विफलता का अंतरराष्ट्रीय प्रमाण है। ये केवल चेतावनी नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर छत्तीसगढ़ की बदहाल कानून-व्यवस्था की पोल खोलने वाला दस्तावेज है।

टीएस सिंहदेव ने लिखा- अमेरिका ने साफ़ कहा है कि भारत और खासकर छत्तीसगढ़ में महिलाएं अकेले यात्रा न करें। क्यों? क्योंकि बलात्कार, हिंसा और आतंकवाद बेकाबू हैं। "बेटी बचाओ" सिर्फ़ नारे और पोस्टर तक सीमित है। भाजपा सरकार की नाकामी ने भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर शर्मिंदा किया है। हालात जल्द से जल्द सुधारे नहीं गए तो मोदी राज के 'नए भारत' को द्धश्र2स्र4 और द्धह्वद्वह्य के बावजूद सिर्फ चेतावनी और अपमान मिलता रहेगा।

प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने कहा- जैसे राहुल गांधी देश को बदनाम करने की साजिश रचते हैं, वैसे ही छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता बड़ी ही बेशर्मी से अपने प्रदेशों को गलत तथ्य बताकर बदनाम कर रहे हैं। अमेरिका ने छत्तीसगढ़ को लेकर कहा है कि यहां जाएं तो जानकारी दें, ये नहीं कहा कि न जाएं। अपने ही प्रदेश को बदनाम करते हुए कांग्रेस पार्टी के नेताओं को शर्म नहीं आई।

क्या लिखा है अमेरिकी एडवाइजरी में

माओवादी चरमपंथी समूह, या "नक्सली", भारत के एक बड़े क्षेत्र में सक्रिय हैं जो पूर्वी महाराष्ट्र और उत्तरी तेलंगाना से लेकर पश्चिमी पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ है। छत्तीसगढ़ और झारखंड के ग्रामीण इलाकों में भारत सरकार के अधिकारियों पर हमले छिटपुट रूप से होते रहते हैं। नक्सलियों ने स्थानीय पुलिस, अर्धसैनिक बलों और सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। खतरे की बदलती प्रकृति के कारण, भारत में काम करने वाले अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को इन राज्यों के अधिकांश क्षेत्रों में यात्रा करने से पहले अनुमति लेनी होगी। जिनमें बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मेघालय, ओडिशा हैं। अगर कर्मचारी केवल इन राज्यों की राजधानी की यात्रा कर रहे हैं तो अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

कई देशों में हिंसा बढ़ रही है। हाल ही में सामने आई 'ग्लोबल पीस इंडेक्स' की साल 2025 की रिपोर्ट में पता चला है कि अमेरिका से इस मामले में भारत बेहतर स्थिति में है। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (आईईपी) द्वारा जारी वैश्विक शांति सूचकांक (जीपीआई) 2025 में इसका जिक्र है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत 115वें नंबर पर है जबकि अमेरिका 128वें पर।

रीवा/सतना की खबरें

सिलेंडर का गैस खोल खुद को घर में बंद किया

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा जिले में अपनी पत्नी से विवाद के बाद पति ने सुसाइड करने का प्रयास किया। निजी कंपनी में कार्यरत ऋषिकेश सिदार (32 साल) ने खुद को घर में बंद कर सिलेंडर का गैस और बाइक से पेट्रोल खोल दिया। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है। मुड़ापार हेलीपैड के पास युवक का घर है। 22 जून को पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद पत्नी मानिकपुर चौकी में शिकायत करने गई थी। वापस लौटने पर देखा कि पति ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और कमरे में तोड़फोड़ भी की और सिलेंडर से गैस खोल दिया था। आसपास के लोग उसे समझाते रहे, लेकिन वह नहीं माना। फिर पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जिसके बाद फायर कर्मियों ने कटर से खिड़की काटने की कोशिश की, नहीं कटा तो सब्बल से दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज जारी है। कोई बड़ी अनहोनी होने से रह गया। बताया जा रहा है युवक ने पूरे 2 घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा किया। कमरे में गैस का रिसाव होता देख आसपास के लोग डर गए थे। सब अपने घर से बाहर निकल गए। उन्हें डर था कि युवक माचिस ना जला ले। इसे बड़ा नुकसान हो सकता था। वहीं, ऋषिकेश सिदार का 4 साल का बच्चा भी है। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है। शरीर में कुछ जगहों पर चोट आई है। सूचना मिलते ही मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। युवक की हरकतों को देखते हुए फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया। दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने दरवाजा तोड़कर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का के मुताबिक, पुलिस और दमकल विभाग की सतर्कता से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। फिलहाल स्थिति सामान्य है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना से 6 दिन में दूसरी मौत

हृदय रोग-सांस और ब्लड प्रेशर की भी बीमारी थी; राजनांदगांव के ही रहने वाले थे दोनों

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में कोविड से 6 दिन में दूसरी मौत हो गई है। दोनों ही लोग राजनांदगांव जिले के रहने वाले थे। लखोनी निवासी 55 साल के व्यक्ति की शनिवार देर रात इलाज के दौरान जान चली गई। उन्हें पहले से हृदय रोग, सांस की तकलीफ और ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियां थी। बताया जा रहा है कि, मरीज का इलाज शासकीय मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल पेंड्री के आईसीयू में चल रहा था। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अतुल देशकर ने बताया कि, मरीज की शनिवार देर रात मौत हो गई। रविवार को कोविड प्रोटोकॉल के तहत मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 20 जून को मजदूरी का काम करने वाले मरीज की कोविड जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उसे तुरंत कोविड वार्ड में भर्ती किया गया था। मरीज के परिजनों को होम आइसोलेशन में रखा गया। उनके संपर्क में आए लोगों की जांच शुरू की गई।

ओवर अब तक कुल लगभग दो हजार मरीजों से अधिक कोविड जांच प्रदेश में हो चुकी है।ओवर अब तक कुल लगभग दो हजार मरीजों से अधिक कोविड जांच प्रदेश में हो चुकी है।जांच कराएं, मास्क पहने और सामाजिक दूरी रखें इलाके में कोविड जागरूकता अभियान और जांच शिविर भी आयोजित किए गए। स्वास्थ्य विभाग ने मृतक के परिजनों और संपर्क में आए लोगों की निगरानी शुरू कर दी है। साथ ही जनता से अपील की है कि कोविड लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं और मास्क, सामाजिक दूरी जैसे दिशा-निर्देशों का पालन करें।

बता दें कि, इससे पहले 16 जून को राजनांदगांव के ही 86 साल के बुजुर्ग की कोरोना के नए वैरिएंट से मौत हो गई थी। पिछले कई समय से वो मेडिकल प्रॉब्लम फेस कर रहा था। रूटीन डायलिसिस के लिए रायपुर के एक निजी हॉस्पिटल में आया हुआ था। डॉक्टरों को कोविड के सिम्टम्स दिखे तो जांच हुई। जांच रिपोर्ट में पेशेंट कोविड पॉजिटिव आया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

15 करोड़ रुपये की ठगी, केके श्रीवास्तव भोपाल से गिरफ्तार

500 करोड़ का प्रोजेक्ट दिलाने का झांसा दिया; खुद को छत्तीसगढ़ के बड़े नेताओं का करीबी बताया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ ईओडब्ल्यू ने केके श्रीवास्तव को भोपाल से गिरफ्तार किया गया है। केके पर 15 करोड़ रुपए ठगने का आरोप है। बड़े नेताओं का करीबी बताकर बिल्डर को 500 करोड़ का प्रोजेक्ट दिलाने की बात कही थी। ईओडब्ल्यू और ईडी एक साल से श्रीवास्तव की तलाश कर रही थी।

दरअसल, ईओडब्ल्यू को इनपुट मिला था कि केके श्रीवास्तव भोपाल के एक होटल में रुका है। जिसके बाद ईओडब्ल्यू की टीम ने उसे भोपाल पहुंचकर पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक, ईओडब्ल्यू की टीम उसे रायपुर ला रही है, फिर उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

यूपी के रावत एसोसिएट के एडमिन मैनेजर अजय कुमार ने तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। अजय के मुताबिक केके श्रीवास्तव ने उनके मालिक अर्जुन रावत को 500 करोड़ का काम दिलाने का आश्वासन दिया और फिर फर्जी दस्तावेज भेजकर ठगी की। श्रीवास्तव के साथ उसके बेटे कंचन श्रीवास्तव के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की गई थी।

एफआईआर में यह दर्ज किया गया है कि प्रदेश के सबसे बड़े नेता भगोड़े ठग केके श्रीवास्तव से तांत्रिक पूजा करवाते थे। ये नेता भाजपा के हैं या कांग्रेस के, ये नहीं लिखा गया है। लेकिन ठग पर आरोप है कि वो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में सबसे बड़े नेताओं के करीबी थे।

ठग केके श्रीवास्तव के खातों की जांच में 300 करोड़ का लेन-देन मिला है। ये खाते श्वह्लस्र मकानों में रहने वालों के नाम पर हैं। पुलिस ने इसकी जांच आयकर विभाग को सौंप दिया है। पुलिस थाने में शिकायत के बाद श्वहह्ल और ईडी केके श्रीवास्तव के खिलाफ केस दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी थी।

जब कारोबारी लगातार पैसों की मांग करने लगा तो श्रीवास्तव उसे गुमराह करने के लिए कंचन श्रीवास्तव समेत कुछ फर्मों के चेक दिए। कारोबारी ने पैसे निकालने के लिए जब बैंक में चेक लगाए, तो पता चला, कि आरोपी ने चेक देने के बाद उसे स्टॉप श्रेणी में डाल दिया है।

इस हरकत के बाद कारोबारी ने श्रीवास्तव को फोन लगाया, तो उसने नक्सली और राजनैतिक रसूखदारों से जान पहचान होने की बात बोलकर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। आरोपी की इस हरकत के बाद कारोबारी ने मामले की शिकायत पुलिस में की, तो पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू की।

शिकायतकर्ता अजय कुमार ने पुलिस को बताया, कि आरोपी श्रीवास्तव ने रावत एसोसिएट का पैसा गबन करने के लिए उनकी कंपनी ग्लोमैक्स इंडिया और छत्तीसगढ़ सरकार का एक फर्जी दस्तावेज बनाकर भेजा था। इस दस्तावेज को देखने के बाद श्रीवास्तव के बताए अकाउंट में पैसे ट्रांसफर किए गए।

पुलिस के अनुसार आरोपी श्रीवास्तव के अकाउंट्स की जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने पैसा 80 से ज्यादा बार में अलग-अलग अकाउंट्स में ट्रांसफर किया है। जिन अकाउंट्स में पैसा ट्रांसफर किया गया, उनकी जांच भी जारी है।

श्रीवास्तव पर आरोप है कि वह नेताओं के पैसों का मैनेज करता था। उसने हवाला के माध्यम से दिल्ली में पैसा भिजवाया है। उसने नेताओं की काली कमाई को वाइट किया है। ईडी को प्रारंभिक जांच में इसके प्रमाण मिले हैं।

वनकर्मियों को 60 ग्रामीणों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में वनकर्मी मारपीट का शिकार हो गए। डौंडी वन परिक्षेत्र के पेंवारी गांव में वन विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। यह हमला उस समय हुआ जब टीम कक्ष क्रमांक-156 में बन रहे परकोलेशन टैंक का निरीक्षण करने पहुंची थी। इस दौरान लाठी-डंडों से लैस 50 से 60 ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इस हमले में डिप्टी रेंजर, एक वनपाल और दो फॉरेस्ट गार्ड घायल हो गए। वहीं, 5 ग्रामीण महिलाओं को भी चोटें आई है। जिनका इलाज डौंडी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। वनकर्मियों ने डौंडी थाने पहुंचकर बताया कि, वे परकोलेशन टैंक निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे थे। तभी मौके पर पहले से मौजूद ग्रामीणों ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सभी को जान बचाकर भागना पड़ा। डौण्डी वन परिक्षेत्र के रेंजर जीवन भोंडेकर ने बताया कि, पेंवारी गांव में 72 एकड़ जमीन का वन पत्र दिया गया। इसकी लालच में आकर ग्रामीण और कब्जाधारी अपना अधिकार बताना चाहते हैं। मई महीने में मीटिंग कर अतिक्रमण हटाया गया था। वन विभाग की ओर से डौंडी थाने में हमलावर ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। रेंज अफसर जीवन भोंडेकर ने बताया कि, हमला एकतरफा था। इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई जा रही है। वहीं 50 की संख्या में पेंवारी गांव की महिलाएं भी डौंडी थाने पहुंची। लेकिन कुछ देर बाद सभी वापस लौट गई। डौंडी टीआई उमा ठाकुर ने बताया कि, प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि जल संरक्षण के लिए बनाए जा रहे परकोलेशन टैंक (कुंड) की जगह को लेकर विवाद है। ग्रामीण वन विभाग की भूमि को अपनी जमीन बताते रहे, जिससे विवाद हुआ। वन विभाग के 4 लोग घायल हुए हैं। उनके रिपोर्ट पर मारपीट करने वाले 6 नामजद और अन्य शामिल ग्रामीण के खिलाफ सरकार काम में बाधा और मारपीट की धारा के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है।

भिलाई में मेडिकल स्टाफ की पिटाई

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। भिलाई में धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर के स्टाफ की एक युवक ने पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि, उसकी पत्नी को दवा देने में देरी हो रही थी। इसी बात पर उसने स्टाफ से मारपीट की और पेटीएम मशीन भी तोड़ दी। मेडिकल स्टाफ ने बताया कि, युवक खुद को वकील बता रहा था साथ ही विधायक रिकेश सेन का पड़ोसी होने की बात कही। कहा कि, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। गाली-गलौज और मारपीट की घटना कैमरे में भी कैद हुई है।

स्टाफ शत्रुघन दिवाकर के मुताबिक, घटना 21 जून की रात करीब 10 बजे की है। एक महिला लाल बहादुर शास्त्री सुपेला शासकीय अस्पताल में संचालित धन्वंतरि मेडिकल स्टोर पर दवा लेने पहुंची थी। भीड़ होने के कारण दवा देने में देरी हुई।

महिला ने बीपी-शुगर की मरीज बताकर जल्दी दवा देने कहा और बहस करने लगी। विवाद बढ़ने पर पति को फोन कर बुला लिया। पति कार से पहुंचा और हंगामा शुरू कर दिया।

महिला के पति ने मेडिकल स्टोर में जबरन घुसकर स्टाफ से गाली-गलौज की। केबिन को धक्का देकर पेटीएम मशीन छीनकर जमीन पर पटक दी। कर्मचारी का गला दबाया और स्टोर के अंदर, फिर बाहर ले जाकर भी मारपीट की। यह मारपीट स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।

शत्रुघन दिवाकर ने बताया कि, युवक ने धमकाते हुए कहा कि, वो विधायक रिकेश सेन का पड़ोसी है। वकील भी है। कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। जिससे शिकायत करनी है कर दो। हालांकि, थोड़ी देर बाद डरे सहमे मेडिकल स्टाफ ने पुलिस को इसकी सूचना दी। फिलहाल, सुपेला पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जब्त कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में भी मारपीट की घटना सामने आई। जिला अस्पताल के कर्मचारी के पिता ने विधायक प्रतिनिधि को चप्पल से मारा। 21 जून की रात कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव के स्वास्थ्य विभाग प्रतिनिधि सीनू राव किसी परिजन की मदद के लिए अस्पताल पहुंचे थे।

इसी दौरान अस्पताल के इंचार्ज यादवेंद्र कश्यप से बातचीत के दौरान बहस हो गई। कर्मचारी नशे में था उसने सीनू राव को पहचानने से मना कर दिया जिसके बाद वह सीधे मारपीट पर उतर आया, कॉलर पकड़कर पीट दिया।

शाह बोले- बारिश में भी नक्सलियों को सोने नहीं देंगे

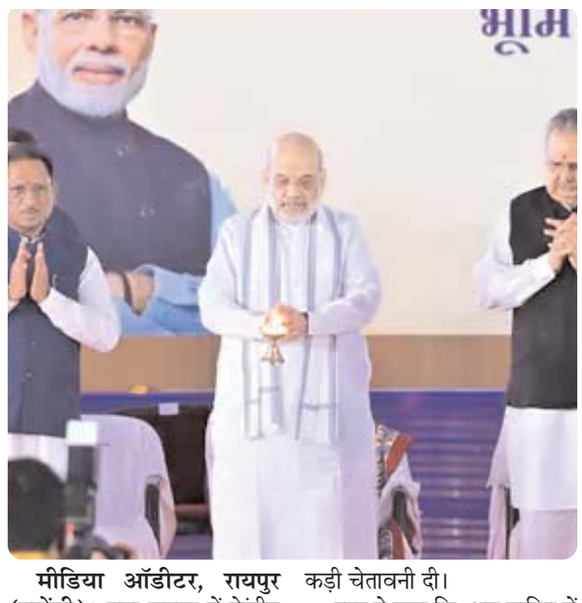

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। नवा रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह NFSU के रायपुर कैंपस का शिलान्यास किया। नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी कैंपस के अलावा हाईटेक फोरेंसिक लैब का भी शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान शाह ने फिर नक्सलियों को कड़ी चेतावनी दी।

शाह ने कहा कि, अब बारिश में भी नक्सलियों को चैन की नींद नहीं सोने देंगे। चर्चा की कोई जरूरत नहीं है, नक्सली अपने हथियार डाल दें। इसके अलावा शाह ने NFSU को लेकर कहा कि, यहां से ग्रेजुएट/पोस्ट ग्रेजुएट होने का मतलब नौकरी की गारंटी पक्की।

एअर इंडिया ने सिंगापुर की दो फ्लाइट सस्पेंड की

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया ने तीन फ्लाइट्स को 15 जुलाई तक अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है। इसमें दो इंटरनेशनल फ्लाइट बेंगलुरू से सिंगापुर, पुणे से सिंगापुर की हैं। वहीं एक डोमेस्टिक फ्लाइट है, जो मुंबई से बागडोगरा चलती है। एयरलाइन ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि, वे 19 रूट पर चलने वाली डोमेस्टिक फ्लाइट्स की संख्या भी घटा रहे हैं। उधर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने एअर इंडिया को गंभीर चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर फ्लाइट ऑपरेशन में गड़बड़ियां जारी रहीं, तो एयरलाइन का लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है या वापस भी लिया जा सकता है। उधर एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, एअर इंडिया की फ्लाइट्स ईरान, इराक और इजराइल के हवाई क्षेत्रों से होकर नहीं जाएगी। ऐसे में यूएई, कतर, ओमान और कुवैत जाने वाली फ्लाइट्स में ज्यादा समय लग सकता है। इसके अलावा यूरोप और उत्तरी अमेरिका के लिए जाने वाले विमान भी वैकल्पिक रास्ते से जाएंगे।

राजस्थान में दिल्ली-गुजरात हाईवे पर पानी भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश की कई नदियां उफान पर हैं। इस वजह से सिरोही जिले में दिल्ली-गुजरात नेशनल हाईवे पर पानी भर गया। वहीं, जोधपुर में पुलिया पर पानी के बीच से निकल रही कार नाले में गिर गई। पानी में डूबने से तीन लोगों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के चित्रकूट में शुक्रवार रात से हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए। गुप्त गोदावरी पहाड़ी पर पानी का बहाव तेज होने से श्रद्धालुओं की एंट्री रोक दी गई है। गुना जिले के फतेहगढ़ में कोहन नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली बहने से तीन युवकों की मौत हो गई। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में पालकी हॉल से एम्बुलेंस गेट तक निर्मित टनल परिसर की छत का पीओपी रविवार सुबह 8 बजे अचानक गिर गया। कुछ दिन से टनल परिसर की छत से पानी का रिसाव हो रहा था, जिससे पीओपी छत से गिर गई। मानसून का अब केवल दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में ही पहुंचना बाकी है। मौसम विभाग ने रविवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 19 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड समेत आठ राज्यों में यलो अलर्ट है। दिल्ली में शनिवार शाम जोरदार बारिश हुई। ओडिशा के बालासोर जिले में सुवर्णरेखा नदी में अचानक आई बाढ़ से 50 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। नदी का जलस्तर खतरे के निशान (10.36 मीटर) को पार कर गया है।

एयर होस्टेस नगंतोई शर्मा का मणिपुर में अंतिम संस्कार हुआ

इम्फाल (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। प्लेन के सभी 10 क्रू मेंबर मारे गए थेअहमदाबाद में 12 जून को एअर इंडिया की लंदन जा रही एआई 171 फ्लाइट क्रैश हुई थी। घटना में मणिपुर की 2 युवतियों कोंगब्राइलाटपम नगंतोई शर्मा (20) और लामनुनथेम सिंगसन (26) का भी निधन हुआ था। दोनों केबिन क्रू में शामिल थीं।

शाह बोले- बारिश में भी नसलियों को सोने नहीं देंगे

रायपुर (एजेंसी)। नवा रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एनएफएसयू के रायपुर कैंपस का शिलान्यास किया। नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी कैंपस के अलावा हाईटेक फोरेंसिक लैब का भी शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान शाह ने फिर नक्सलियों को कड़ी चेतावनी दी।

शाह ने कहा कि, अब बारिश में भी नक्सलियों को चैन की नींद नहीं सोने देंगे। चर्चा की कोई जरूरत नहीं है, नक्सली अपने हथियार डाल दें। इसके अलावा शाह ने एनएफएसयू को लेकर कहा कि, यहां से ग्रेजुएट/ पोस्ट ग्रेजुएट होने का मतलब नौकरी की गारंटी पक्की।

शिलान्यास कार्यक्रम के बाद गृहमंत्री शाह नवा रायपुर स्थित होटल रिसॉर्ट में छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्य ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश के डीजीपी और एडीजीपी रैंक के अधिकारियों के साथ सुरक्षा संबंधित उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। इसके बाद 6.30 से 8.00 बजे तक नक्सल ऑपरेशन पर विशेष समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में नक्सल ऑपरेशनों की वर्तमान स्थिति, अंतरराज्यीय समन्वय, खुफिया तंत्र की मजबूती, और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर चर्चा हो सकती है।

कैब में महिला पायलट का यौन शोषण

मुंबई। मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन पर एक महिला पायलट के यौन शोषण के आरोप में मामला दर्ज किया है। घटना शुक्रवार (19 जून) रात करीब 11ः15 बजे की है, जब महिला पायलट साउथ मुंबई से अपने घर घाटकोपर जा रही थी। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। महिला ने बताया कि उसका पति नौसेना में अधिकारी है, लेकिन उन्हें अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। इस वजह से पति नौसेना के आवासीय परिसर में रहता है, जबकि वह घाटकोपर में रहती है।

ऑपरेशन सिंधु- ईरान से 290 और नागरिक भारत पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक कुल 1,117 भारतीयों को निकाला गया है। मशहद से एक और प्लेन शनिवार की रात 11ः30 बजे 290 नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंचा। इससे पहले शाम 4.30 बजे 310 नागरिकों को जत्था राजधानी पहुंचा था।वहीं 20 जून को रात 2 बैच में 407 भारतीय लौटे थे। रात 10ः30 बजे की फ्लाइट में 190 कश्मीरी छात्रों समेत

290 लोगों की वापसी हुई थी। इनमें दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल से भी लोग थे। देर रात 3 बजे की फ्लाइट में 117 लोग थे। 19 जून को 110 छात्र आर्मेनिया और दोहा के रास्ते भारत पहुंचे थे। ईरान से दिल्ली पहुंचे इन यात्रियों ने एयरपोर्ट पर वन्दे मातरम् और भारत माता की जय के नारे लगाए थे।

जयशंकर बोले-भारत के साथ चलने से पड़ोसी देशों को फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि हर पड़ोसी को समझना चाहिए कि भारत के साथ मिलकर चलने से फायदा और दूरी बनाने से नुकसान है। हालांकि, पाकिस्तान एक अपवाद है, वहां की सेना की सोच भारत विरोधी है और वो ही वहां देश चलाती है। डीडी इंडिया को दिए इंटरव्यू में जयशंकर ने कहा कि भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों में हर बार सब कुछ आसान नहीं मिलेगा। हालांकि, भारत ने ऐसा माहौल बनाया है जिसमें सामूहिक हित को प्राथमिकता दी जाती है ताकि सरकारें बदलें, फिर भी रिश्ते

मजबूत रहें।

चीन के बारे में उन्होंने कहा कि गलवान झड़प के बाद भारत ने बॉर्डर पर खड़े रहने की नीति अपनाई है। पहले बड़ी गलती थी कि हम सीमा पर ढांचा ही नहीं बना रहे थे। लेकिन अब भारत एलएसी पर अपने हितों की रक्षा कर सकता है।

पहलगाम हमला- आतंकियों को पनाह देने वाले 2 लोग गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। 22 अप्रैल को पहलगाम की बायसरन घाटी में आतंकियों ने टूरिस्ट्स पर गोली चलाई थीं। हमले में एक स्थानीय समेत 26 लोगों की मौत हुई थी। पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे। एनआईए के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थीं। 22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी और 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुनकर निशाना बनाया था। घटना पहलगाम शहर से 6 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में हुई थी। हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे।

कश्मीर में वंदे भारत जुलाई तक फुल

श्रीनगर (एजेंसी)। कटरा से श्रीनगर के बीच शुरू वंदे भारत को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। सात जून को शुरू दो जोड़ी ट्रेनें 25 जुलाई तक लगभग फुल हैं। अब हर दिन बुकिंग की मांग और बढ़ रही है।

आईआरसीटीसी के रिजर्वेशन पोर्टल पर 25 जुलाई से पहले इनमें लंबी वेटिंग या नो रूम है। इसके बाद सीटें खाली हैं, हालांकि तेजी से रिजर्वेशन हो रहे हैं। दरअसल, इन ट्रेनों ने घाटी में आवागमन का नया विकल्प दिया है, जिससे पर्यटकों और व्यापारियों को राहत मिली है। विमान से किराया कम होने से बड़ी संख्या में पर्यटक ट्रेन से जाना पसंद कर रहे हैं। इससे हवाई उड़ानों की

संख्या भी आधी रह गई है। पहलगाम हमले से एक दिन पहले (21 अप्रैल) श्रीनगर से 104 उड़ानें (52 आगमन, 52 प्रस्थान) थीं। इनसे 19,641 यात्रियों ने सफर किया था। पर 22 अप्रैल और उसके बाद ट्रेन सेवा शुरू होने से उड़ानें घटी हैं।

कैप्टन अभिमन्यु की मां को श्रद्धांजलि देने पहुंचे मनोहर लाल

रोहतक (एजेंसी)। रोहतक में पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी के निधन पर शोक जताने के लिए केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर पहुंचे। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और शोक में डूबे परिवार को सांत्वना दी। परमेश्वरी देवी का शुक्रवार को 91 साल की उम्र में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव खांडा खेड़ी में मित्र स्तंभ के पास किया गया। अंतिम यात्रा में योग गुरु बाबा रामदेव, दिल्ली के डिप्टी सीएम प्रवेश साहिब वर्मा और हरियाणा के कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए और श्रद्धांजलि अर्पित की।परमेश्वरी देवी सामाजिक कार्यों में हमेशा सक्रिय रही थीं। वे आर्य समाजी परिवार से थीं, इसलिए समाजसेवा उनके जीवन का अहम हिस्सा रही। उनके पति मित्रसेन आर्य भी एक जाने-माने समाजसेवी थे।परमेश्वरी देवी ने अपने पति के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए समाज में सेवा और सहयोग की भावना को जीवित रखा। वे लोगों की भलाई के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहीं। पूर्व सीएम व वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्?टर ने पूर्व वित्तमंत्री की माता परमेश्वरी देवी के निधन पर श्रद्धांजलि दी।

सोनम का बैग जलाने वाला बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर और गार्ड गिरफ्तार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। राजा की शिलॉन्ग में हत्या के बाद पत्नी सोनम रघुवंशी इंदौर में देवास नाके पर जिस फ्लैट में रुकी थी, उसके बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर शिलाम जेम्स और बिल्डिंग में गार्ड बलविंदर को शिलॉन्ग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

शिलाम जेम्स और गार्ड बलविंदर ने फ्लैट में रखा सोनम का बैग मिलकर जलाया था। बैग में राजा की चेन, सोनम की मोबाइल सिम, डॉक्यूमेंट और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस रखे थे। दोनों पर सबूत छिपाने में मदद करने का आरोप है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि दोनों आरोपियों की मेडिकल जांच कराई जाएगी। ट्रांजिट रिमांड के बाद उसे शिलॉन्ग ले जाया जाएगा। शिलॉन्ग पुलिस रविवार को जेम्स को उस जगह लेकर पहुंची जहां उसने बैग को जलाया था।

स्टेट-हाइवे को एनएच में बदलने की रफ्तार कम करेगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार अब स्टेट हाईवे को नेशनल हाइवे में बदलने की रफ्तार कम करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब हर सड़क को ह्न का दर्जा नहीं मिलेगा, बल्कि राज्य सरकारों को खुद अपने हाईवे सुधारने के लिए पैसे दिए जाएंगे।

नए मॉडल के तहत, अपग्रेड के बाद इन सड़कों की देख-रेख राज्य सरकारें करेंगी। केंद्र सरकार अब ग्रीनफील्ड हाईवे और

एक्सप्रेसवे बनाने पर फोकस करेगी।रिपोर्ट्स के मुताबिक पीएम मोदी ने निर्देश हाल ही में ट्रांसपोर्ट मंत्रालय को जुलाई के अंत तक ऐसा मॉडल बनाने कहा है जिससे स्टेट हाईवे को ह्न॥ डिक्लेयर करने की जरूरत ही कम हो। मंत्रालय को स्टेट हाईवे और छोटे पोर्ट्स को जोड़ने के लिए कहा गया है।

पिछले 11 साल में सरकार ने 55,000 किमी राज्य हाईवे को एनएच में बदला, जिससे अब नेशनल हाइवे की कुल लंबाई 1.46 लाख किमी हो गई है। सरकार का मानना है कि नेटवर्क फैलाने के बजाय, मौजूदा हाईवे को चौड़ा और बेहतर बनाना ज्यादा जरूरी है।

तमिलनाडु में फ्लाईओवर का स्लैब अपनी जगह से खिसका

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के होसुर में एक फ्लाईओवर का स्लैब अपनी जगह से खिसक गया। इससे सड़क पर करीब तीन किमी लंबा जाम लग गया। वाहनों को सर्विस रोड का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है।

यह फ्लाईओवर बेंगलुरु-चेन्नई नेशनल हाईवे पर बना है और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से सिर्फ 40 किमी दूर है। सुरक्षा कारणों से फ्लाईओवर पर बेंगलुरु जाने वाले वाहनों को रोक दिया गया। पुलिस ने बताया कि एक्सपर्ट्स का एक पैनल आज होसुर फ्लाईओवर की जांच करेगा। पिछले दिनों मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बना एक रेलवे ओवर ब्रिज अजीब डिजाइन की वजह से सुर्खियों में रहा था। इस ब्रिज पर 90 डिग्री के एंगल से मोड़ दिया गया है। इस वजह से वाहनों के ब्रिज की दीवार से या फिर आपस में टकराने का खतरा बना रहेगा।

सोनम, राज 13 दिन की न्यायिक हिरासत में

इंदौर (एजेंसी)। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में आरोपी सोनम और राज कुशवाह को कोर्ट ने 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। दोनों आरोपियों को दो दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद पूर्वी खासी हिल्स के जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया था। असिस्टेंट पब्लिक प्रोसिक्यूटर तुषार चंदा ने कहा- सोनम और राज को पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद आज कोर्ट में पेश किया गया। उन्हें 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने उनको रिमांड पर लेने की मांग नहीं की थी। राजा रघुवंशी के भाई सचिन ने कहा- यह समझ नहीं आया कि जिस मेघालय पुलिस को इन्होंने बदनाम कर दिया था, वह उनकी रिमांड नहीं बढ़वा पाई। सोनम ने अभी तक राजा के मर्डर की वजह नहीं बताई है। राज 15-20 हजार रुपए महीना कमाता था, वह चाहता तो सोनम को पहले ही लेकर भाग जाता। उन्होंने हत्या क्यों की? मेघालय पुलिस भी डर गई क्या उन लोगों से? क्या वो इतनी बड़ी गैंग है? सचिन ने कहा- नार्को टेस्ट की मांग करते-करते मैं थक गया हूं। मुझे ये हजम नहीं हो रहा है कि उन्हें जेल भेज दिया गया है।

अब नार्को टेस्ट के लिए जहां जरूरत होगी, हाई कोर्ट-सुप्रीम कोर्ट...मैं सब जगह जाऊंगा। राजा की हत्या करने का उद्देश्य समझ नहीं आ रहा है। क्या उसको मारना ही आरोपियों का मकसद था? मुझे लगता है कि तंत्र-मंत्र के लिए ही ऐसा किया गया। उधर, मामले में एक और सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। ये सीसीटीवी फुटेज उस दिन का है, जिस दिन राजा का शव मेघालय से इंदौर उसके घर लाया गया था। राजा के घर के फुटेज में हत्या का आरोपी राज कुशवाह भी दिख रहा है। उसने कफन जैसा एक सफेद कपड़ा भी किसी को दिया। राज हार-फूल भी लेकर आया था।

राज सोनम के पिता देवी सिंह के साथ नजर आ रहा है। वह देवी सिंह को बार-बार ढांढस बंधाता दिख रहा है, जबकि उसे पहले से ही इस वारदात की जानकारी थी। इसके बावजूद वह राजा के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ। सीसीटीवी में नजर आ रहा है कि वह कॉल पर भी किसी से बात कर रहा है।

गुजरात में पंचायत चुनाव के लिए वोटिंग हुई

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में पंचायत चुनाव के लिए आज वोटिंग हुई। शाम 6 बजे तक वोट डाले गए। काउंटिंग 25 जून को होगी। राज्य में 8,326 ग्राम पंचायतें हैं। इनमें से 751 ग्राम पंचायतों में निर्विरोध चुनाव हो गए हैं। चुनाव में कुल 3656 सरपंच, 16224 पंचायत सदस्य चुनने के लिए 81 लाख मतदाता मताधिकार का प्रयोग किया। जामनगर जिले में 187 ग्राम पंचायतों के चुनाव में शाम बजे तक औसतन 64ह्न मतदान हुआ। बड़ी संख्या में मतदाता, जिनमें बुजुर्ग, युवा और महिलाएं शामिल हैं, वोट डालने के लिए लंबी कतारों में खड़े देखे गए। पुलिस ने कुछ बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने में मदद की ताकि वे भी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। युवाओं से भी मतदान करने की अपील की गई थी। चुनाव में पिछड़ा वर्ग के लिए 27 फीसदी आरक्षण लागू है।गुजरात में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण मुद्दे के चलते ग्राम

पंचायत चुनाव लगभग दो साल की देरी के बाद हो रहे हैं।

यहां ग्राम पंचायत के चुनाव आमतौर पर गैर-दलीय आधार पर लड़े जाते हैं। यानी उम्मीदवार निजी तौर पर चुनाव लड़ते हैं। हालांकि राजनीतिक दलों का उन्हें समर्थन प्राप्त होता है।

कड़ी और विसनगर विधानसभा क्षेत्रों में कड़ी, जेठाणु, सैणाल, विसनगर, जुनाठल ग्राम पंचायत व बाकासरा तालुका की पंचायतें आती हैं। यहां विधानसभा चुनाव दो दिन पहले हुए हैं। इसलिए यहां चुनाव नहीं होगा। इसके बाद बची कुल 4564 ग्राम पंचायतों में से 3775 ग्राम पंचायतों के चुनाव निर्विरोध हुए हैं। शेष ग्राम पंचायतों में चुनाव के लिए वोटिंग होगी।

साल 2023 में जावेरी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर पंचायतों, नगर पालिकाओं और नगर निगमों जैसे स्थानीय निकायों में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने की गुजरात सरकार के घोषणा किए जाने के बाद राज्य में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर ग्राम पंचायत चुनाव हो रहे हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने 28 मई को चुनाव का ऐलान किया था। उम्मीदवारों के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 9 जून और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 11 जून थी। चुनाव आयोग के अनुसार 8,326 ग्राम पंचायतों में से 4,688 में आम या मध्यावधि चुनाव होंगे, जबकि 3,638 ग्राम परिषदों में उपचुनाव होंगे।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की ब्रांड दूत बनीं कंगना रनौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री सह राजनीतिज्ञ कंगना रनौत को सितंबर-अक्टूबर में यहां होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का ब्रांड दूत नियुक्त किया गया। 'फैशन' और 'क्वीन' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा बटोरने वाली 39 वर्षीय कंगना वर्तमान लोकसभा में हिमाचल प्रदेश के मंडी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। कंगना ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''भारत के पैरा एथलीट हर दिन क्या संभव है, इसे फिर से लिख रहे हैं। मैं उनका समर्थन करने और उनकी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। पैरा खेल केवल प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है- यह साहस के बारे में हैं और मुझे हमारे चैंपियन खिलाड़ियों के पीछे खड़े होने पर गर्व है।''

पीसीआई के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के नेता देवेंद्र झझारिया ने कहा, ''भारत के खिलाड़ियों के प्रति उनका जुनून, प्रभाव और प्रतिबद्धता उन्हें नयी दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक आदर्श दूत बनाती है।''

झझारिया दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी भी हैं।

दिव्या देखमुख का बड़ा खुलासा, बताया वर्ल्ड नंबर वन को हराने के लिए बनाई थी खास रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने कहा है कि उन्हें फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम शतरंज चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने के लिए पूरी ताकत लगानी पड़ी और उनकी इस उपलब्धि की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फैंस की। दिव्या देशमुख ने 10 से 16 जून को लंदन में आयोजित फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में चीन की यिफान को हराया। दिव्या ने कहा कि, मुझे पता था कि मुझे पूरी ताकत लगानी होगी। अगर वर्ल्ड चैंपियनशिप के खिलाफ खेलने का विचार मेरे दिमाग में आता तो मैं भयभीत हो जाती। इसलिए मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किसके खिलाफ खेल रही हूं। मैंने अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और मुझे केवल इतना पता था कि मुझे बाजी जीतनी है। नागपुर की 19वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि पीएम मोदी के शब्द बहुत उत्साह बढ़ाने वाले और प्रेरित करने वाले थे और वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तत्पर रहेगी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि, लंदन में वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के ब्लिट्ज सेमीफाइनल के दूसरे चरण में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई। उनकी सफलता उनके सयंम और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। ये कई उभरते शतरंज खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

लियोनेल मेसी की फ्री किक पर गोल करके इंटर मियामी को दिलाई जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा क्लब वर्लड कप में कई रोमांचक मुकाबले हुए। इंटर मियामी ने पोर्टो को हराया, तो पीएसजी को ब्राजील के क्लब बोटाफोगो से हार का सामना करना पड़ा। एटलेटिको मैड्रिड ने सिएटल साउंडर्स को हराया, वहीं पाल्मेरास ने अल अलही को शिकस्त दी। लियोनल मेसी ने इंटर मियामी के लिए बेहतरीन फ्री-किक गोल किया। इस गोल की बदौलत मियामी ने पोर्टो को 2-1 से हराया। पीएसजी को बोटाफोगो ने 1-0 से हराया। एटलेटिको मैड्रिड ने सिएटल साउंडर्स को 3-1 से हराया। पाल्मेरास ने अल अहली को 2-0 से हराया। लियोनेल मेसी के बेहतरीन फ्री-किक गोल ने इंटर मियामी को जीत दिलाई। मियामी ने पोर्टो को 2-1 से हराया। ये मैच फीफा क्लब वर्ल्ड कप के ग्रुप एक का था। अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने अपने करियर का 68वां फ्री-किक गोल किया। इस जीत से मियामी को तीन अंक मिले। दूसरी ओर, यूरोपीय चैंपियन क्लब को क्लब वर्ल्ड कप में बड़ा झटका लगा। उन्हें ब्राजील के बोटाफोगो ने 1-0 से हरा दिया। मैच में पोर्टो ने पहले गोल किया। सामू अघेहोवा ने आठवें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल किया। इसके बाद मियामी के मार्सेलो वीगन्ड्ट ने टेलास्को सेगोविया को पास दिया।

4 साल बाद इस धाकड़ गेंदबाज की इंग्लैंड टीम में वापसी, टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेदंबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट खेल सकते हैं। क्योंकि वह डरहम में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। भारत के खिलाफ एंडरसन तेंदुलकर सीरीज के पहले टेस्ट में आर्चर और मार्क वुड के बिना इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिखाई दे रहा है। वहीं स्काय स्पोटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, जोफ्रा आर्चर ससेक्स के लिए लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे हालांकि, उनका नाम काउंटी चैंपियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं था। अगर वह मैच खेल पाते हैं तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट की टीम में हो सकते हैं।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि जोफ्रा आर्चर काउंटी मैच के लिए ससेक्स टीम में होंगे। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेले हैं।

आर्चर ने 2021 में इंग्लैंड के लिए रेड बॉल क्रिकेट नहीं खेला है, ऐसे में 4 साल बाद उनकी टीम में वापसी इंग्लैंड के लिए खास

होगी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्सने इस महीने कीशुरुआत में कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा था कि, कई बार वह मुझे मैसेज भेजता है। मैंने उसे यही सलाह दी कि हड़बड़ी नहीं करे। वह चोटों से काफी परेशान रहा है। उसकी वापसी इंग्लैंड के लिए रोमांचक होगी। उम्मीद है कि वह टेस्ट क्रिकेट में चयन के लिए उपलब्ध होगा।

वहीं लीड्स में जारी भारत और इंग्लैडं के बीच पहले टेस्ट के दूसरे दिन की बात करें तो, दिन का खेल खत्म होते-होते मेजबान टीम वापसी करने में कामयाब रही। भारत ने दिन की शुरूआत 3 विकेट के नुकसान पर 359 रनों से की थी। यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के बाद ऋषभ ने भी शतक जड़ा। एक समय पर भारत का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 430 रन था, लेकिन जैसी ही कप्तान गिल आउट हुए तो पूरी टीम 471 रनों पर सिमट गई। स्टोक्स और टंग ने 4-4 विकेट लिए।

जबकि इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी में ओली पोप ने अपना लगातार दूसरा टेस्ट शतक जड़ा। वह नाबाद 100 रन बनाकर क्रीज पर हैं। इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट के नुकसान पर 209 रन बोर्ड पर लगा दिए हैं। ये तीनों विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिए।

बेंगलुरु भगदड़ के बाद बीसीसीआई ने जारी की सख्त गाइडलाइन्स

बैगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु की भगदड़ वाली घटना के बात बीसीसीआई सख्त हो गया है। जिसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाली टीमों के लिए सख्त गाइडलाइन्स जारी की हैं। दरअसल, आईपीएल 2025 का फाइनल जीतने के बाद आरसीबी ने बेंगलुरु में सेलिब्रेशन किया था लेकिन ये जश्न जानलेवा जश्न साबित हुआ, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न चल रहा था और स्टेडियम के बाहर लोगों की जान जा रही थी। भविष्य में ऐसा ना हो, इसके लिए अब बीसीसीआई ने कुछ

गाइडलाइन्स तैयार की हैं। आईपीएल जीतने के बाद कोई भी इवेंट या रोड परेड के लिए बीसीसीआई से टीमों को परमीशन लेनी होगी। इंडिया टुडे से बात करते हुए बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की, कि बोर्ड इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए जोखिम के हर पहलू को बहुत गंभीरता से ले रहा है। सैकिया ने कहा कि आईपीएल के बाद सार्वजनिक रूप से जश्न मनाने की इच्छा रखने वाली सभी टीमों के लिए औपचारिक दिशा-निर्देश अब अनिवार्य होंगे। बीसीसीआई ने आरसीबी के इवेंट में जो हुआ, उससे पल्ला झाड़ लिया था क्योंकि बीसीसीआई या आईपीएल का कोई बड़ी अधिकारी इवेंट में मौजूद नहीं था। वहीं बेंगलुरु भगदड़ से खीस लेते हुए बीसीसीआई ने कुछ गाइडलाइन्स तैयारी की हैं, जिनको पूरा करने के लिए बाद ही कोई टीम आईपीएल जीतने के बाद इवेंट आयोजित कर पाएगी या रोड परेड कर पाएगी।

टीम इंडिया की लॉप गेंदबाजी को लेकर गुस्से में थे जसप्रीत बुमराह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। लीड्स में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड पहले टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने 3 विकेट खोकर 209 रन बना लिए हैं। फिलहाल,ओली पोप शतक लगातार क्रीज पर हैं, इंग्लैंड के तीनों विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिए। अन्य कोई गेंदबाज प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाया। मैच के दौरान बुमराह की गंभीर के साथ बातचीत का एक फोटो वायरल हो रहा है। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड की पहली ही पारी में विकेट चटका दिया था, उन्होंने जैक क्रॉली को सस्ते में आउट कर दिया था। हालांकि, दूसरे एंड से मोहम्मद सिराज से उन्हें ज्यादा सपोर्ट नहीं मिला। फिर प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा भी बेअसर रहे। काफी देर बाद शार्दुल ठाकुर को गेंदबाजी के लिए लाया गया, उन्होंने सिर्फ 3 ओवर डाले लेकिन इनमें 23 रन खर्चे। बुमराह मानों गेंदबाजी में अकेले लड़ रहे हों। अब सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रही है, ये तब का है जब जसप्रीत बुमराह मैदान से बाहर जाकर हेड कोच गौतम गंभीर से कुछ बात कर रहे हैं, इस समय ओली पोप 75 के स्कोर पर खेल रहे थे। हालांकि, उनके बीच क्या बातचीत हो रही थी, इसका तो खुलासा नहीं हुआ लेकिन माना जा रहा है कि, दोनों बेअसर गेंदबाजी पर ही चर्चा कर रहे होंगे। प्लानिंग कर रहे होंगे कि कैसे विकेट मिले। फैंस अंदाजा लगा रहा हैं कि दूसरे एंड से सपोर्ट नहीं मिलने पर जसप्रीत बुमराह गुस्से में होंगे।

हालांकि, लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे दिन गेंदबाजों को फायदा मिल सकता है, क्योंकि बारिश की संभावना है और बादल छाए रहने की उम्मीदें हैं। लेकिन अगर धूप खिली रही तो ये बल्लेबाजी के अनुकूल होगी और भारत की मुश्किल बढ़ सकती है। लेकिन अगर बादल रहे तो यहां सीम, स्विंग देखने को मिलेगा।

केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच हेडिंग्ले, लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने इतिहास रच दिया है। दोनों ने पहले विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड में पहले टेस्ट में भारत के लिए ये सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है। जायसवाल और राहुल ने 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। इस जोड़ी ने सुनील गावस्कर और के श्रीकांत का रिकॉर्ड को तोड़ा है। जिन्होंने 1986 में इंग्लैंड के खिलाफ 64 रनों की ओपनिंग साझेदारी की थी। अब हेडिंग्ले में राहुल और जायसवाल भारत के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। दमदार बैटिंग कर रहे केएल राहुल अर्धशतक बनाने से चूक गए। वह 78 गेंद में 8 चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। राहुल को ब्रायडन

कार्स ने स्लिप में कैच आउट कराया। वहीं विदेशी दौरे पर पहले टेस्ट में राहुल और जायसवाल चौथी बड़ी साझेदारी करने वाली जोड़ी बन गई है।

रिंकू सिंह की तरह मंगेतर प्रिया सरोज ने खेला क्रिकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह ने समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सगाई की। दोनों की सगाई ने ने केवल क्रिकेट और राजनीति के गलियारों में हलचल मचाई है, बल्कि प्रिया का क्रिकेट के मैदान पर बेहतरीन प्रदर्शन भी चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, वाराणसी के शिवपुर मिनी स्टेडियम में एक स्थानीय क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन के लिए प्रिया मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची थीं।

इस दौरान उन्होंने बल्ला थामा और सलवार सूट में मैदान पर उतरकर उन्होंने सबको चौंका दिया। पहली गेंद भले ही चूक गई लेकिन दूसरी गेंद पर उन्होंने बेहतरीन शॉट लगा दीं। उनका ये अंदाज कैमरे में कैद हो गया और वीडियो अब सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है।

रिंकू और प्रिया की जोड़ी की केमिस्ट्री भी कमाल की है। हाल ही में रिंकू पहली बार अपनी होने वाली ससुराल पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। सास ने गुलाब की पंखुड़ियों से सजा थाल लेकर उनका स्वागत किया जबकि प्रिया शर्माते हुए मुस्कुरा रही थीं। रिंकू ने सास के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और परिवार ने गुलाब के फूलों के साथ उनका अभिनंदन किया। ये पल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसने उनकी सादगी और पारिवारिक मूल्यों को उजागर किया।

साई सुदर्शन का टेस्ट डेब्यू है खास, विराट कोहली से लेकर इन दिग्गजों से है ये कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस सीरीज से पहले स्टार बल्लेबाज साई सुदर्शन को टीम इंडिया के लिए टेस्ट में डेब्यू करने का मौका मिला है। जिस कारण 20 जून का दिन साई सुदर्शन के लिए खास बन गई है। हालांकि, ये तारीख भारतीय क्रिकेट इतिहास में भी खास है क्योंकि इस दिन 1-2 नहीं बल्किन 6 भारतीय खिलाड़ियों ने अपना डेब्यू किया था। इनमें राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, विराट कोहली, अभिनव मुकुंद, प्रवीण कुमार और साई सुदर्शन शामिल हैं। सुदर्शन को चेतेश्वर पुजारा ने डेब्यू कैप सौंपी और वह अब भारत की ओर से टेस्ट खेलने वाले 317वें खिलाड़ी बन गए हैं। राहुल द्रविड़ की बात करें तो उन्होंने 20 जून 1996 को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में टेस्ट

डेब्यू किया था। उन्होंने अपने करियर में 164 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान 286 पारियों में 52.31 की औसत और 42.5 की स्ट्राइक रेट से 13288 रन बनाए। टेस्ट में द्रविड़ ने 63 अर्धशतक के साथ ही 36 शतक भी जड़े। वह टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं।

वहीं पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने भी इसी दिन 20 जून 1996 को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी। दादा ने अपने करियर में 113 टेस्ट मैचों की 188 पारियों में 7212 रन बनाए।

20 जून 2011 को वेस्टइंडीज के खिलाफ विराट कोहली ने अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने 123 टेस्ट की 210 पारियों में 9230 रन बनाए। कोहली ने टेस्ट में 31 फिफ्टी और 30 सेंचुरी लगाई हैं। वह टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं।

कोहली के साथ ही तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार और अभिनव मुकुंद ने टेस्ट डेब्यू किया था। मुकुंद ने 7 टेस्ट की 14 पारियों में 320 रन बनाए। वहीं प्रवीण कुमार ने 6 टेस्ट की 11 पारियों में 27 सफलताएं प्राप्त की थीं। इस दौरान उन्होंने एक बार 5 विकेट हॉल लिया।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने वैदिक सनातनी ज्योतिष महामंथन सम्मेलन का किया शुभारंभ

ज्योतिष के ज्ञान और अनुभव का मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि वैदिक सनातनी ज्योतिष महामंथन सम्मेलन में ज्योतिष के ज्ञान और अनुभव का लाभ मिलेगा। यह सम्मेलन इस क्षेत्र के लिए एक उपलब्धि साबित होगा। शुक्ल ने वैदिक सनातनी ज्योतिष महामंथन सम्मेलन का शुभारंभ किया। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रीवा प्रकोष्ठ के सभागार में आयोजित सम्मेलन में शुक्ल ने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति में ज्योतिष का विशेष महत्व रहा है। ज्योतिष के माध्यम से सटीक गणना का आकलन करने की विधि सर्वमान्य रही है। उन्होंने कहा कि इस ज्योतिष यात्रा में जो ज्ञान और अनुभव मिलेगें उससे समाज और जनसामान्य का कल्याण होगा। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने रीवा में आयोजित हो रहे ज्योतिष महामंथन के लिए अपनी शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्त, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय सहित देश के ख्याति प्राप्त ज्योतिषाचार्य तथा विद्वान उपस्थित रहे।

शराब पीकर ड्यूटी करते एसआई का सामने आया वीडिओ, लाइन अटैच

टीआई के लिए कहे अपशब्द; ट्रक चालकों से अवैध वसूली का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में रविवार सुबह एएसआई का शराब के नशे में ड्यूटी करते हुए वीडियो सामने आया है। कोलगवां थाने में पदस्थ एएसआई गणेश रावत माधवगढ़ पॉइंट पर ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में धुत दिखाई दिए। शनिवार शाम की इस घटना में एएसआई रावत ट्रकों और भारी वाहनों को रोककर कथित तौर पर अवैध वसूली कर रहे थे। एक ट्रक चालक ने जब अपनी गाड़ी रोकने का कारण पूछा तो एएसआई भड़क गए। उन्होंने ट्रक चालक को गालियां दीं। साथ ही अपने थाने के टीआई को भी अपशब्द कहे।

ट्रक चालकों से अवैध वसूली के आरोप: वायरल वीडियो में एएसआई रावत वर्दी में नशे की हालत में झूमते दिख रहे हैं। उनकी जुबान लड़खड़ा रही है। लोगों के अनुसार, इससे पहले भी एएसआई रावत पर ट्रक चालकों से अवैध वसूली के आरोप लग चुके हैं। ट्रक चालक ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया।

एडिशनल एसपी सिटी शिवेश सिंह ने बताया कि वीडियो संज्ञान में आने पर एएसआई गणेश रावत को लाइन अटैच कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि शराब के नशे में ट्रक ड्राइवर से बहस और टीआई के लिए अभद्र भाषा के प्रयोग के मामले की जांच सीएसपी देवेंद्र प्रताप सिंह को सौंपी गई है।

चित्रकूट की मंदाकिनी नदी में बुजुर्ग की डूबने से मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में रविवार को मंदाकिनी नदी में स्फटिक शिला घाट पर नहाने गए एक बुजुर्ग की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान यूपी के कर्बी जिले के बंदरकोल निवासी 55 वर्षीय फूलचंद यादव के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फूलचंद स्फटिक शिला घाट पर नहाने उतरे थे। बारिश के कारण मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ा हुआ था। तैरना न आने के कारण वे पानी के तेज बहाव में बह गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

टीआई डीआर शर्मा के मुताबिक, स्फटिक शिला के पास आरोग्यधाम हेलीपैड की बाउंड्री के सामने से शव को बाहर निकाला गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आमजनों की सुनी समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने रीवा स्थित अमहिया निवास में स्थानीय जनों से भेंट की तथा उनकी समस्यायें सुनी। उप मुख्यमंत्री ने आवेदकों से प्राप्त समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अटल पार्क का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रातकाल अपने भ्रमण के दौरान अटल पार्क का निरीक्षण किया तथा आयुक्त नगर निगम को व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे सहित स्थानीय जन उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिक सम्मेलन में लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत हुये शामिल

'रीवा का भारतीय सेवा में अप्रतिम योगदान है'

पूर्व सैनिक देश के विकास में भागीदारी निभाएं- डॉ. सोनवडे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत ने कहा कि पूर्व सैनिक कभी रिटायर नहीं होता है। पूर्व सैनिक अपने अनुभव और अनुशासन का लाभ सिविल डिफेंस में दें। पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने तथा उनकी समस्याओं को हल करने के लिए भारतीय सेना उनके घर तक जा रही है। साथिया कार्यक्रम, नेशनल वीरांगना सेवा केंद्र, नमन योजना और कॉल सेंटर के माध्यम से पूर्व सैनिकों की हर कठिनाइयां दूर की जा रही हैं। रीवा का भारतीय सेवा में अप्रतिम योगदान है । रीवा में 7500 से अधिक पूर्व सैनिक है। रीवा का सैनिक स्कूल शानदार है। इस स्कूल ने हमें वर्तमान सेना अध्यक्ष और नौसेना अध्यक्ष दिए हैं। उनके साथ-साथ सैकड़ो योग्य सैन्य अधिकारी भी रीवा सैनिक स्कूल से सेना को मिले हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि अग्नि वीर योजना युवाओं के लिए बहुत लाभकारी है। अग्नि वीर बनने के बाद जो सैनिक सेवा से बाहर निकलेंगे उन्हें केंद्र सरकार के संस्थानों राज्य सरकार के विभागों और बड़ी-बड़ी निजी कंपनियों में रोजगार के सुनहरे अवसर मिलेंगे। पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए प्रशासन के सहयोग से तहसील और ग्राम स्तर पर शिविर लगाएंगे। रीवा में एक साल के भीतर बड़ी जमीन लेकर सेना की विकसित कैंटीन बनाई जाएगी जहां पूर्व सैनिकों को हर आवश्यक वस्तु मिल सकेगी।

समारोह में प्रभारी कलेक्टर डॉक्टर सौरभ सोनवणे ने कहा कि भूतपूर्व सैनिक और वीर नारियां हम सबके लिए सम्मान और श्रद्धा का केंद्र है। पूर्व सैनिक जिस तरह सेना में शानदार योगदान दे रहे थे वैसे ही जिले के विकास कार्यों में भी अपना योगदान दें। रीवा का सैनिक स्कूल विंध्य के लिए बहुत गौरव की बात है। इस सैनिक स्कूल के दो पूर्व छात्र आज देश की थल सेना और नौसेना की कमान संभाल रहे हैं। पूर्व सैनिकों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए प्रशासन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। समारोह में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने कहा कि पूर्व सैनिक और वीर नारियों का त्याग और बलिदान हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है ।पूर्व सैनिक सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण देने में सहयोग करें। समारोह में पूर्व विधायक तथा पूर्व सैनिक लक्ष्मण तिवारी ने सेना द्वारा पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए किये जा रहे हैं प्रयासों की प्रशंसा की। तिवारी ने सैनिक स्कूल परिसर की जमीन पर खेती करने तथा पूर्व सैनिकों के लिए क्लब गठन का भी सुझाव दिया।

समारोह में सेना भरती कार्यालय जबलपुर के कर्नल गगन नारंग ने अग्नि वीर योजना की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना से युवाओं को निशुल्क फिजिकल ट्रेनिंग, उच्च शिक्षा के अवसर ,चार साल में लगभग 12 लाख रुपए का आर्थिक लाभ और अपने व्यक्तित्व को निखारने का अवसर मिलता है। ऑपरेशन सिंदूर में भी 3000 अग्निवीर सैनिक भारतीय सेना के साथ तैनात रहे।

समारोह में सैनिक कल्याण और पुनर्वास के लिए संपर्कों की जानकारी देने वाली पुस्तिका का विमोचन किया गया। समारोह में देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले शहीदों की माता तथा वीर नारियों को फल शॉल और उपहार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में एनसीसी कैडेट ने स्वागत गीत और वीर जवानों ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये । समारोह में ऑपरेशन सिंदूर की झलक दिखाई गई। समारोह में पूर्व सैनिकों के कल्याण की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। समारोह में दो पूर्व दिव्यांग सैनिकों को व्हीलचेयर प्रदान की गई। समारोह में सैनिक कल्याण संघ के अध्यक्ष चौधरी ग्रुप कैप्टन सिद्धार्थ वास्तव कर्नल सुरेंद्र कुमार, ब्रिगेडियर भूपेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक अधिकारी भूतपूर्व सैनिक और शहीदों के परिजन उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने सुनी आमजनों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

34 वें नेशनल गेम्स में विंध्य की बेटी ने जयपुर में फिर जीता गोल्ड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के रामपुर बघेलान वार्ड क्र- 2 निवासी एएसआई बिनोद त्रिपाठी की बेटी गीतांजलि त्रिपाठी ने 14 से 19 जून 2025 तक जयपुर की पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में आयोजित 34 वें नेशनल गेम्स बुशु स्पर्धा में एक बार फिर गोल्ड मेडल जीतकर विन्ध्य का नाम रोशन किया है। गीतांजलि त्रिपाठी दिल्ली में सशस्त्र सीमा बल में नौकरी कर रही है। इसके पहले भी ये जार्जिया सहित अन्य देशों में गोल्ड मेडल जीत चुकी है।

अचानक गिरी दुकान की छत जान बचाकर भागे लोग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के बैकुंठपुर में रविवार सुबह [23] एक दुकान की छत अचानक भरभरा कर गिर गई। छत गिरते ही दुकानदार और ग्राहक जान बचाकर बहार भागे। इस दौरान दुकान का एक कर्मचारी घायल हो गया, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। दुकान संचालक बिपिन सिंह बघेल के मुताबिक वह कई वर्षो से नगर पालिका की दुकान में आनंद स्वीट के नाम से दुकान संचालित कर रहा है, रोजाना की तरह आज सुबह भी उन्होंने दुकान खोली और कुछ ग्राहक दुकान के अंदर आकर बैठे, तभी अचानक छत भरभरा कर गिर गई। दुकानदार ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह दुकान नगर पालिका की है जिसे वह किराए पर लिए है, इसके सुधार कार्य के लिए पूर्व में ही नगर पालिका को सूचित किया गया था लेकिन सुधार कार्य नहीं कराया गया जिसके चलते आज यह हादसा हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर ग्राहक नहीं भागते तो एक बड़ी घटना भी हो सकती थी।

रीवा में पटवारियों की रिश्वतखोरी कैमरे में कैद, फीडिंग के नाम पर ले रहे थे 10 हजार

तहसीलदार बोले- दोषी मिले तो कार्रवाई होगी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की सिरमौर तहसील के सेदहा पटवारी हल्का में दो पटवारियों का रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। मामला लालगांव राजस्व निरीक्षक मंडल के सेदहा हल्का क्षेत्र का है, जहां तत्कालीन पटवारी मुकेश सिंह और वर्तमान पटवारी ओमप्रकाश नीरत का एक वीडियो सामने आया है। दोनों आवेदक अरुण प्रताप सिंह निवासी हिनौती से फीडिंग के नाम पर 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में साफ सुनाई देता है कि अरुण सिंह घर के अंदर से नोट गिनते हुए आते हैं और पटवारी मुकेश सिंह को पैसे सौंपते हैं। इस दौरान अरुण कहते हैं- "अभी मेरे पास इतना ही है, बाकी बाद में देख लेंगे।" जवाब में मुकेश सिंह कहते हैं- "कबेलू वाले बहुत अकड़ रहे थे।" बातचीत में यह भी साफ होता है कि अन्य काम कराने वालों से भी रिश्वत ली जाएगी।बाहर निकलते समय मुकेश सिंह कहते हैं, आप ज्यादा परेशान थे इसलिए हम इन्वॉल्व हुए, वरना कभी नहीं करते। इसके बाद अरुण प्रताप उनसे फीडिंग पूरी होने की समय-सीमा पूछते हैं, जिस पर मुकेश सिंह कहते हैं- हमें ही करना है।

वीडियो के आखिर में दोनों पटवारी बाइक पर सवार होकर रवाना हो जाते हैं। फिलहाल इस वीडियो के वायरल होने के बाद राजस्व विभाग की साख पर फिर सवालिया निशान लग गए हैं।

सिरमौर नायब तहसीलदार रमाकांत तिवारी ने बताया कि आप के माध्यम से ही पूरा मामला संज्ञान में आया है। वीडियो और इस गतिविधि की जांच कराई जाएगी। हालांकि ओम प्रकाश नीरत का दो दिन पहले ही तबादला हुआ है,लेकिन पदभार से मुक्त नहीं हुए हैं। नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा।

दोषी पाए जाने पर मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाकर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। शासकीय सेवा में अपने उपयोग के लिए पैसे या रिश्वत लेना पूर्णतः अपराध की श्रेणी में आता है।

रीवा से बिलासपुर जा रहीं फिल्म अभिनेत्री पर ट्रेन में हमला व लूट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा से बिलासपुर जा रहीं छत्तीसगढ़ी फिल्म [ढ्ढस्रस्र] अभिनेत्री ज्योत्सना ताम्रकार के साथ कटनी जंक्शन से नकाबपोशों द्वारा लूटपाट की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में कटनी स्टेशन के आउटर पर घुसे बदमाशों ने अभिनेत्री से पहले लूट की नाकाम कोशिश के बाद में मारपीट भी की। ज्योत्सना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर व्यथा बताई और ट्रेनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल भी उठाया, अपनी आपबीती बताते हुए,उन्होंने कहा कि बदमाश ट्रेन में चढ़े और पर्स-मोबाइल छीनने लगे, लूट में नाकाम होने पर उनके चेहरे पर मुक्का मारकर उन्हें घायल कर दिया या। कटनी जीआरपी ने सोशल मीडिया से वारदात की जानकारी होने के बाद जांच की बात कही।

रीवा के घोघर मोहल्ले में संचालित तीन मटन दुकाने की गईं सील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में सिविल लाइन थाना क्षेत्र में बनाई गई मटन [21] और मछली मार्केट में शहर भर की दुकानों को शिफ्ट करने का काम किया जा रहा है लेकिन कई दशकों से संचालित दुकानों के संचालक अपनी पुरानी जगहों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। बतादें कि सार्वजनिक जगहों या फिर अन्य स्थानों पर मटन बेचने पर प्रतिबंध है, बावजूद इसके शहर के घोघर मोहल्ले में मटन की तीन दुकानें संचालित हो रही थी, जिस पर आज नगर निगम और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से सील करने की कारवाई की गई है। हालांकि नगर निगम द्वारा बनाई गई दुकानों को सुविधा विहीन बताते हुए उक्त तीनों दुकानदारों ने हाई कोर्ट में अपील भी की गई थी, उन्होंने कोर्ट से स्थगन आदेश भी लाया था, बावजूद इसके दुकान संचालकों पर पहले नगर निगम की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई और आज इन दुकानों को सील भी कर दिया गया।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज अमरपाटन में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना द्वारा 26 जून 2025 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस का एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 23 जून को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 24 जून को जनपद पंचायत मैहर, 25 जून को जनपद पंचायत रामनगर एवं 26 जून 2025 को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद हेतु आयु 19 से 40 वर्ष तथा योग्यता 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित हो सकते हैं। भर्ती से संबंधित जानकारी के लिए राहुल साहू मोबाइल नम्बर 9131557489 पर सम्पर्क कर सकते है।

मास्टर ट्रेनर्स का प्रषिक्षण आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा बूथ लेवल आफीसरों के लिए कार्यक्रम अंतर्गत विधानसभा स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण 21 जून को प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी शाहपुरा झील, अरेरा कॉलोनी भोपाल में आयोजित किया गया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सतना एवं मैहर जिले की सभी विधानसभा के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देशित किया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी संटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।